मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 203
शुक्रवार, 06 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

एनजीटी के बैन के बावजूद जानलेवा खनन, ब्लास्ट में असम के 16 मजदूरों की मौत

मेघालय, 05 फरवरी। मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को एक संदिग्ध अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट में सोलह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के एक गांव में संदिग्ध अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट में असम के कम से कम 16 मजदूर मारे गए और कई अन्य खदान में फंस गए। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि यह घटना थांगस्कू इलाके में हुई।

विकास कुमार ने बताया कि बताया कि खदान से 16 शव निकाले जा चुके हैं और कई अन्य घायल हो गए हैं जिन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है और आगे के इलाज के लिए शिलांग रेफर किया जाएगा। कुमार ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल पर बचाव अभियान चलाने के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल से सहायता ली और बचाव कार्य जारी है। माना जा रहा है कि यह विस्फोट अवैध रूप से चल रहे कोयला खनन स्थल पर हुई गतिविधि के दौरान हुआ। जब अधिकारी से पूछा गया कि क्या खदान अवैध है, तो उन्होंने कहा, रहां, ऐसा प्रतीत होता है। कुमार ने आगे कहा कि विस्फोट का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है और इसकी जांच की जाएगी।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ने 2014 में मेघालय में पर्यावरण को होने वाले नुकसान और गंभीर सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए रैट-होल कोयला खनन और अन्य अवैज्ञानिक खनन पद्धतियों पर प्रतिबंध लगा दिया था और इस तरह से निकाले गए कोयले के अवैध परिवहन पर भी रोक लगा दी थी। रैट-होल खनन में श्रमिकों के कोयला निकालने के लिए संकरी सुरंगें खोदी जाती हैं, जो आमतौर पर लगभग 3 से 4 फीट ऊंची होती हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने बाद में इस प्रतिबंध को बरकरार रखते हुए केवल वैज्ञानिक और विनियमित प्रक्रियाओं के माध्यम से उचित पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों के साथ कोयला खनन की अनुमति दी।

नेहरू, इंदिरा का अपमान हुआ, विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया, इसलिए विपक्ष ने वाकआउट किया : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, 05 फरवरी। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि सत्तापक्ष ने पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं इंदिरा गांधी का अपमान किया और विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण के समय विपक्षी दलों ने उच्च सदन से बहिर्गमन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दिया। हालांकि विपक्षी दलों के सदस्य सदन से बाहर चले गए।

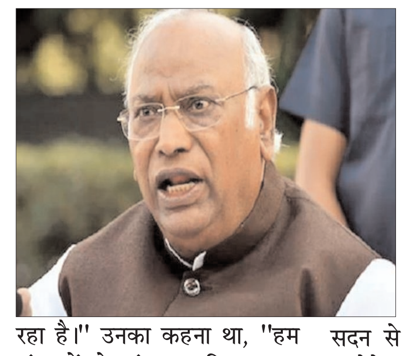

खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, "आज राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर चर्चा का उत्तर देने आए थे। हम उन्हें सुनना चाहते थे, लेकिन हम चार दिन से देख रहे हैं कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी जी को बोलने नहीं दिया जा रहा है।" उनका कहना था, "हम संसद में लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, युवाओं के लिए रोजगार और डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर अपनी बात रखना चाहते थे। हम सभी विपक्षी दलों ने ये तय किया था कि अगर लोकसभा में नेता विपक्ष को बोलने दिया गया, तो हम प्रधानमंत्री की बात जरूर सुनेंगे। लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता पक्ष ने ठान लिया है कि दोनों सदनों में नेता विपक्ष को बोलने नहीं देना है।"

खरगे ने कहा, "अगर मेरी बात सुनी जाती तो गतिरोध खत्म हो सकता था, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया।" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "मोदी सरकार हमारे नेताओं का अपमान करती है और विपक्ष को अपनी बात रखने नहीं देती, इसलिए हमने इसकी निंदा की और सदन से वॉकआउट कर दिया।" उन्होंने कहा कि जिन महान नेताओं ने देश के लिए कुर्बानियां दीं और देश को आजादी दिलाई, उनके बारे में एक सांसद द्वारा अपशब्द कहा गया और पूरा सत्तापक्ष चुपचाप सुनता रहा।

खरगे ने कहा, "पंडित नेहरू जी ने आधुनिक भारत बनाया तो इंदिरा गांधी जी देश में जागृति लेकर आईं। ऐसे लोगों को सदन में भला-बुरा कहा जाता है, जिसका हम खंडन करते हैं।"

ट्रक की टक्कर से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत, शादी से लौटते वक्त हुआ हादसा

उन्नाव, 05 फरवरी। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में बुधवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए इस भीषण एक्सीडेंट में एक दंपति और उनके दो मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा एक ट्रक चालक की लापरवाही और भागने की कोशिश के कारण हुआ।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, यह हादसा बुधवार रात करीब साढ़े 11 बजे सोहरामऊ थाना क्षेत्र में लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भल्ला फार्म के पास हुआ। हसनगंज क्षेत्राधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि लखनऊ से कानपुर जा रहे एक ट्रक ने दूसरे ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी।टक्कर के बाद ट्रक चालक ने मौके से भागने की कोशिश में गति बढ़ा दी, जिसके बाद उसने मोटरसाइकिल को भी टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और इस दोपहिया वाहन पर सवार दंपति और उनके दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। कुमार ने बताया कि यह परिवार एक शादी समारोह से लौट रहा था। मृतकों की पहचान उन्नाव जिले के अजगैन गांव के निवासी वीरेंद्र (35), उनकी पत्नी रितु (33), उनकी नौ वर्षीय बेटी और छह वर्षीय बेटे के रूप में हुई है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।लखनऊ-कानपुर नेशनल हाईवे पर देर रात ट्रकों की अनियंत्रित गति और ओवरटेकिंग की समस्या पहले भी कई जानलेवा हादसों का कारण बन चुकी है। ग्रामीणों ने इस घटना के बाद सड़क पर गश्त बढ़ाने और ओवरस्पीडिंग पर लगाम लगाने की मांग की है।

कृषि और डेयरी पर कोई समझौता नहीं, किसान हित पूरी तरह सुरक्षित : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, 05 फरवरी। भारत-यूएस ट्रेड डील को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे भ्रामक आरोपों के बीच केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट किया है कि इस समझौते में भारतीय कृषि, विशेषकर कृषि और डेयरी सेक्टर के हितों से कोई समझौता नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि यह डील प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में डिप्लोमेसी, डेवलपमेंट और डिग्निटी का नया उदाहरण है और प्रधानमंत्री जी ने शुरू से साफ कर दिया था कि किसान हित सर्वोपरि हैं।

दिल्ली में आज मीडिया से चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारे मुख्य अनाज, फल, प्रमुख फसलें, मिलेट्स और डेयरी उत्पाद पूरी तरह सुरक्षित हैं और भारतीय कृषि या डेयरी पर किसी तरह का खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों के हित पूरी तरह संरक्षित हैं और इस समझौते से उल्टा भारत के किसानों को नए अवसर मिलेंगे।

इस आशंका पर कि देश की 50 प्रतिशत से ज्यादा आबादी खेती पर निर्भर है और छोटे किसानों पर असर पड़ सकता है, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कोई ह्लबड़ी चीजह्व भारत के बाजार में अचानक नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सभी मुख्य फसलें, मुख्य अनाज, फल और डेयरी उत्पाद सुरक्षित हैं और किसी भी ऐसे क्षेत्र के लिए बाजार नहीं खोला गया है, जो भारतीय किसानों के लिए नुकसानदेह हो सके।

यूएस ट्रेजरी सेक्रेटरी के उस ट्वीट से पैदा संशय पर, जिसमें अमेरिकी फार्म प्रोडक्ट्स के ज्यादा भारत आने की बात कही गई थी, चौहान ने कहा कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में पूरे तथ्य स्पष्ट कर दिए हैं और वे स्वयं भी दोहरा रहे हैं कि छोटे और बड़े, सभी भारतीय किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं और मुख्य कृषि उत्पादों के लिए बाजार इस प्रकार नहीं खोला गया है कि किसानों पर दबाव बने।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बताया कि भारत पहले से ही अमेरिका सहित विभिन्न देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है और हाल के आंकड़ों के अनुसार लगभग 63,000 करोड़ रुपये के चावल का निर्यात किया गया था।

उन्होंने कहा कि टैरिफ कम होने से हमारे चावल, मसालों और टेक्सटाइल के निर्यात को बल मिलेगा और जब टेक्सटाइल एक्सपोर्ट बढ़ेगा तो इसका सीधा लाभ कपास उगाने वाले हमारे किसानों को होगा।

चौहान ने कहा कि यह समझौता समग्र रूप से भारत के किसानों के हित में है और विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाने के बावजूद तथ्य यही हैं कि किसान हित सुरक्षित हैं और निर्यात के नए अवसर खुल रहे हैं।

जब यह सवाल उठा कि विपक्ष कह रहा है कि अगर ट्रेड डील कर रहे हैं तो सरकार आकर फाइन प्रिंट को संसद और देश के सामने समझाए, तो कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने दोहराया कि डील की सारी डिटेल्स समय पर सामने आएंगी, लेकिन उसका मूल साफ है झ किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं।

कृषि मंत्री ने चिंता जताई कि कृषि का क्षेत्र इतना बड़ा है कि किसी भी तरह की अफवाह से किसानों में अनावश्यक चिंता और बेचैनी पैदा हो सकती है, इसलिए सरकार की ओर से स्पष्ट आश्वासन देना जरूरी है।

उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर कहना चाहता हूँ, किसान अन्नदाता हैं, अन्नदाता मतलब जीवनदाता। उनके हित ही देश के हित हैं और वे हित सुरक्षित हैं।

राहुल गांधी को नहीं बोलने दिया तो सदन नहीं चलेगाः जयराम रमेश

नई दिल्ली, 05 फरवरी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को चेतावनी दी कि अगर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 2020 में चीन के साथ हुए गतिरोध पर संसद में अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी गई तो सदन के चलने की संभावना बहुत कम रह जाएगी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि संसद में केवल एक ही मुद्दा है जो विपक्ष को परेशान कर रहा है, और वह यह है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलने से रोका गया है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने भी यही मुद्दा उठाया। राज्यसभा में विपक्षी सांसद भी आज इसी मुद्दे पर सदन से बाहर चले गए।

रमेश ने आगे कहा कि सभी विपक्षी दल इस बात पर एकमत हैं कि अगर लोकसभा सांसद को बोलने नहीं दिया गया, तो सदन के चलने की संभावना बहुत कम है। कांग्रेस ने संसद में कई मुद्दे उठाए हैं, जिनमें से एक प्रमुख मुद्दा पूर्वी लद्दाख में 2020 के चीन गतिरोध पर एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़ा है। कांग्रेस का कहना है कि लोकसभा सांसद राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे (सेवानिवृत्त) के उद्धरण देने से कई बार रोका गया। भाजपा नेताओं ने बचाव में कहा कि यह सदन के नियमों का उल्लंघन है और इससे सशस्त्र बलों का मनोबल गिरने का खतरा है।

मुंबई (महाराष्ट्र)से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

प्रजापति समाज के होनहार छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति हेतु आवेदन

प्रजापति समाज मुंबई उच्च शिक्षा (चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कानून आदि) ग्रहण कर रहे समाज के मेधावी छात्रों से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करा रहा है, ताकि छात्र-छात्राओं में प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा दिया जा सके। छात्र 15 फरवरी 2026 या उससे पहले आवेदन करें।

निवेदकः
प्रोफेसर रामजन्म प्रजापति
(अध्यक्षः प्रजापति समाज मुंबई)
गूगल फॉर्म का लिंक नीचे दिया गया है-
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLScsFwc2KBiq613bqOX5uPtAwZWdePD4_XZxB5kay0cNDO525g/viewform?usp=dialog

अमित शाह ने भारत टैक्सी का शुभारंभ किया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को भारत टैक्सी का शुभारंभ किया। यह एक सहकारी स्वामित्व वाला प्लेटफॉर्म है जो ड्राइवरों को मालिक की तरह काम करने की सुविधा देता है, जिससे कमीशन शून्य हो जाता है और कीमतों में अचानक होने वाली बढ़ोतरी (सर्ज प्राइसिंग) समाप्त हो जाती है। इस सेवा का उद्देश्य उबर और ओला जैसे ऐप्स को टक्कर देना है। सहकारिता मंत्रालय ने भारत टैक्सी को परिवहन क्षेत्र में एक क्रांतिकारी पहल बताया है, जो ड्राइवरों (जिन्हें सारथी कहा जाता है) को स्वामित्व, संचालन और मूल्य सृजन के केंद्र में रखती है, जिससे वे शोषणकारी एग्रीगेटर-आधारित मॉडलों से मुक्त हो जाते हैं।

डराने लगी है ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया

-ललित गर्ग

ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया कितनी भयावह एवं घातक हो सकती है, इसकी एक ही दिन में दो अलग-अलग जगह घटी घटनाओं ने न केवल झकझोरा है, बल्कि यह हमारे समय, हमारी सामाजिक संरचना और हमारी सामूहिक असावधानी पर लगा हुआ एक गहरा प्रश्नचिह्न बना है। धीरे-धीरे किशोरवय को अपने चपेट में लेने वाली यह प्रवृत्ति कितनी हृदयविदारक हो सकती है, उसका उदाहरण बुधवार को घटी ये दो भयावह घटनाएं हैं। एक हृदयविदारक घटना में गाजियाबाद की तीन अल्पवयस्क बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 12, 14 और 16 साल की तीन सुकोमल बहनें असमय काल-कवलित हो गईं। ऑनलाइन कोरियन गेम की दीवानी बहनें कोरिया में जाकर बसने और वहीं नया जीवन शुरू करने का सपना देखती थीं। घर वालों ने जब उनकी ऑनलाइन सनक से परेशान होकर उनसे मोबाइल छीन लिए, तो वे तनाव व अवसाद में घिर गईं। फिर तीनों बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसी ही घटना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी घटी जहां एक पंद्रह वर्षीय किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछुड़ने के गम में घर में आत्महत्या कर ली। किशोर दसवीं का छात्र था।

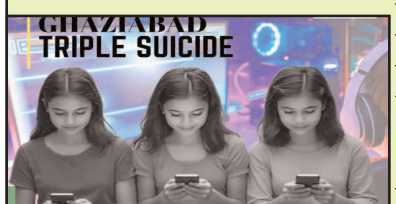

इन घटनाओं ने समाज को स्तब्ध ही नहीं किया, बल्कि भीतर तक गहरा घाव दिया है। यह कोई आकस्मिक या अलग-थलग घटना नहीं है। इससे पहले झाबुआ, भोपाल और देश के अन्य हिस्सों में सामने आई ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि आभासी दुनिया किस तरह वास्तविक जीवन पर हावी होती जा रही है और हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां संवेदनाएं, संवाद और जीवन-मूल्य स्क्रीन के पीछे दम तोड़ते जा रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में अपराध नहीं है, न ही तकनीक शत्रु है, लेकिन जब यह बच्चों और किशोरों के लिए लत बन जाए, तो यह एक धीमा जहर बन जाती है। यह जहर चुपचाप बच्चों के मस्तिष्क में प्रवेश करता है, उनकी सोच, उनकी भावनात्मक संरचना और उनके निर्णय लेने की क्षमता को विकृत करता है। गेमिंग की दुनिया बच्चों को तात्कालिक रोमांच, आभासी जीत और काल्पनिक पहचान देती है, लेकिन धीरे-धीरे वही दुनिया उन्हें वास्तविक जीवन से काट देती है। परिवार, मित्र, पढ़ाई, प्रकृति, खेल और संवाद-सब कुछ पीछे छूटने लगता है। गाजियाबाद की तीनों बहनों का यह कदम इसी कटाव का चरम और भयावह परिणाम है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के मस्तिष्क में आवेग नियंत्रण को कमजोर करती है। जोखिम का आकलन करने की क्षमता घटती है और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती है। हार, असफलता या गेम से वंचित किए जाने की स्थिति में अवसाद, क्रोध और निराशा गहराने लगती है। कई बार बच्चे आत्महत्या जैसे चरम कदम को भी एक ह्गेम ओवरह्व की तरह देखने लगते हैं। यह सोच अपने आप में अत्यंत खतरनाक है। आत्महत्या की प्रवृत्ति का बढ़ना केवल मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चुनौती है, जो हमारी परवरिश, हमारी प्राथमिकताओं और हमारी नीतियों पर सवाल उठाती है।

आज के परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और संवाद की कमी ने बच्चों को अकेलेपन की ओर धकेला है। स्मार्टफोन कई घरों में बच्चों की चुप्पी खरीदने का सबसे आसान साधन बन गया है। रोता बच्चा हो, जिद करता बच्चा हो या समय न देने की मजबूरी-मोबाइल फोन एक त्वरित समाधान बन चुका है। लेकिन यही समाधान आगे चलकर सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि बच्चा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, स्नेह और समय चाहता है। जब यह सब उसे स्क्रीन से मिलने लगता है, तो परिवार की भूमिका स्वतः कमजोर हो जाती है। यह भी एक कठोर सत्य है कि कई माता-पिता स्वयं डिजिटल लत के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों को रोकने का नैतिक और व्यवहारिक अधिकार भी कमजोर पड़ जाता है। हम बच्चों से अपेक्षा करते हैं कि वे मोबाइल कम चलाएं, जबकि हमारे अपने हाथों में हर समय फोन रहता है। यह दोहरा व्यवहार बच्चों के मन में भ्रम और विद्रोह दोनों पैदा करता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल बच्चों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि पूरे पारिवारिक वातावरण में संतुलन लाने से जुड़ा है। सरकार और समाज की भूमिका भी इस संकट में कम महत्वपूर्ण नहीं है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन उसके सामाजिक प्रभावों पर पर्याप्त नियंत्रण और निगरानी का अभाव है। कई गेम्स में हिंसा, आक्रामकता और जोखिम भरे व्यवहार को सामान्य और रोमांचक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बच्चों के लिए आयु-उपयुक्त सामग्री, समय-सीमा और चेतावनी संकेतों को सख्ती से लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। सरकार को चाहिए कि वह ऑनलाइन गेमिंग और डिजिटल कंटेंट के लिए स्पष्ट और कठोर नियामक ढाँचा विकसित करे, जिसमें बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि हो। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह सकती। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन-कौशल को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग कैसे किया जाए, न कि तकनीक के गुलाम कैसे बना जाए। शिक्षकों को भी बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों, अकेलेपन, चिड़चिड़ेपन और अचानक गिरते शैक्षणिक प्रदर्शन जैसे संकेतों को गंभीरता से लेना होगा।

मनोवैज्ञानिक सहायता को लेकर समाज में जो झिझक और संकोच है, उसे भी तोड़ना होगा। मानसिक स्वास्थ्य को कमजोरी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। यदि किसी बच्चे में अवसाद, अत्यधिक चुप्पी, आक्रामकता या आत्मघाती विचारों के संकेत दिखें, तो समय रहते विशेषज्ञ की मदद लेना अत्यंत आवश्यक है। देर करना कई बार अपूरणीय क्षति में बदल जाता है। निस्संदेह, ये आत्मघात की घटनाएं, ऑनलाइन गतिविधियों के अतिरेक से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को लेकर गंभीर सवालों को जन्म देती हैं। निश्चित रूप से आत्मघात की ये घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं और अभिभावकों को आसन्न संकट के प्रति सचेत करती हैं। दरअसल,ये दुखद घटनाएं एक घातक प्रवृत्ति को ही उजागर करती हैं कि गेमिंग और डिजिटल संपर्क लाखों युवाओं को आभासी समुदाय और मनोरंजन तो प्रदान कर सकते हैं, लेकिन साथ ही ये भावनात्मक कमजोरियों,सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की पूर्ति न होने जैसी समस्याओं को भी जन्म दे सकते हैं। हालांकि, वहीं दूसरी ओर समाज विज्ञानी इस बात पर भी बल देते हैं कि केवल गेमिंग या ऑनलाइन मित्रता ही आत्महत्या का कारण नहीं बन सकती हैं। निस्संदेह, आत्महत्या एक जटिल और बहुआयामी घटना है। लेकिन समस्याग्रस्त डिजिटल जुड़ाव, विशेष रूप से जब यह ऑफलाइन जीवन से अलगाव, बाधित शिक्षा और तीव्र भावनात्मक तनाव के साथ होता है तो संवेदनशील युवा मन में परेशानी को और बढ़ा सकता है। गाजियाबाद की यह घटना हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि हमने बच्चों के लिए कैसी दुनिया बनाई है। क्या हमने उन्हें संवाद दिया, या केवल उपकरण थमा दिए? क्या हमने उन्हें संस्कार दिए, या केवल सुविधाएं? क्या हमने उन्हें सुनने का समय दिया, या केवल आदेश? यह आत्ममंथन केवल पीड़ित परिवारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे समाज को अपने भीतर झांककर देखना होगा। यह घटना एक चेतावनी है, एक टर्निंग पॉइंट है। यदि अब भी हमने इसे एक सामान्य समाचार की तरह भुला दिया, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। समाज को, सरकार को और प्रत्येक परिवार को मिलकर कड़े और संवेदनशील कदम उठाने होंगे। तकनीक को नकारना समाधान नहीं है, लेकिन उसे बिना नियंत्रण स्वीकार करना भी आत्मघाती है। संतुलन, संवाद और सहभागिता ही बच्चों की सुरक्षा का वास्तविक आधार हैं। गाजियाबाद की तीनों बहनों हो या कूल्लु के किशोर की असमय मृत्यु हमें यह याद दिलाती है कि अगर हमने अभी नहीं संभला, तो यह इलेक्ट्रॉनिक खतरा हमारे घरों, हमारे भविष्य और हमारी संवेदनाओं को निगलता चला जाएगा। यह समय है जागने का, सोचने का और ठोस कदम उठाने का-क्योंकि यह सवाल केवल तकनीक का नहीं, बल्कि जीवन का है।

नर्मदापुरम और मोर्शी में है-संत शिरोमणि रामजी बाबा का पावन धाम, जहाँ मची है मेले की धूम

-आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार

नर्मदानगरी होशंगाबाद में 424 सालों से संत शिरोमणि रामजीबाबा के नाम से उनकी समाधि पर पूजा-अर्चना कर उनका जन्मदिवस माघसुदी पूर्णिमा को मनाकर एक विशाल मेले का भव्य आयोजन जिलेवासियों की श्रध्दा का केंद्र बना है जिसमें रोज हजारों लोग मेले का लुफ्त उठाने और बाबा की समाधि के दर्शन को आ रहे है वहीं महाराष्ट्र के अमरावती जिले के मोर्शी तहसील मुख्यालय पर उनका एक नया परिचय विदेही संत समर्थ श्रीरामदास जीबाबा के नाम से प्राप्त होता है जहॉ उनका विशाल मंदिर बना है और वहॉ संत शिरोमणि रामजी बाबा के द्वारा जीवित समाधि लिये जाने से मोर्शी एक तीर्थ के रूप में विख्यात है।

रामजी बाबा या रामदास जी बाबा, भक्त कुछ भी नाम दे, किन्तु भक्तों के बाबा एक है, जिनके नाम,जीवनचरित्र को लेकर मान्यताओं में भिन्नता है। समाधि एक होनी चाहिये लेकिन रामजीबाबा के बाबत होशंगाबाद नगर में दो स्थानों पर तथा तीसरी बान्द्राभान मार्ग पर घानाबड़ तहसील में उनकी समाधि है और सभी जगह उनके भक्त पूरी श्रद्धा से उन्हें पूजते है। प्रश्न उठता है कि वास्तविक रूप से संत रामजी बाबा ने कहॉ-किस स्थान पर समाधि ली थी, होशंगाबाद नगर में उनकी समाधि की तिथि-वर्ष आदि का रिकार्ड भीं उपलब्ध नहीं है और यही स्थिति अमरावती जिले की मोर्शी तहसील मुख्यालय पर बने रामजीबाबा मंदिर की है जहॉ उनके जीवित समाधि की बात तो स्वीकारी जाती है परन्तु तमाम प्रयासों के बाद भी उनकी समाधि के बावत निष्चित मान्य तिथि-साल आदि की जानकारी नहीं हो सकी। लेकिन होशंगाबाद समाधिस्थल के मंहत सुन्दरदास जी व उनके परिजनों द्वारा मोर्शी मंदिर में समाधिस्थ संत रामजी बाबा के चित्र को स्वीकारोक्ति मिलने से यह बात प्रमाणित कहीं जा सकती है कि अमरावती मोर्शी के विदेही संत समर्थ श्री रामजीबाबा एवं संत शिरोमणि रामजीबाबा दो व्यक्ति नहीं एक ही है, और उनकी अलग-अलग समाधि को उनकी लीलाओं से जोड़कर होशंगाबाद और मोर्शी में सेवा में जुटे सेवादारों द्वारा स्वीकारोक्ति दे दी गयी है। रामजीबाबा की वास्तविक समाधि कहॉ है इसे लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है, कोई ग्राम घानाबड़ में होना बताता है तो कोई जुमेराती में मानता है तो कोई वर्तमान समाधि को ही महत्व देकर पूजा-पाठ करता है, जबकि उनकी जीवित समाधि स्थल के रूप में अमरावती के मोर्शी मंदिर को सभी की ओर से स्वीकारा है।

एक सवाल अनुत्तरित है कि विदेही संत समर्थ श्रीरामजी बाबा को मोर्शी के उनके अनुयायी या भक्त उनके जन्म को लेकर मानते है कि उनका जन्म ग्राम बानाबाकोड़ा, तहसील-सौंसर, जिला-छिन्दवाड़ा में मराठी पांचाग के अनुसार मार्गशीष कृष्ण षष्ठी को सन 1785 को हुआ वहीं होशंगाबाद में वाणी भाष्य में प्रकाशित अनुमानित गणना के आधार पर संतशिरोमणि रामजी बाबा का जन्म संवत 1601 में पश्चिम निमाड़ खण्डवा के ग्राम रिखी घूघरी में कश्यप ऋषि की संतान विश्नोई गोत्र में होना बताया गया। जहॉ जन्म को लेकर दोनों ही तिथियॉ मेल नहीं खाती है वहीं जीवित समाधि में प्राण त्यागने की तिथि होशंगाबाद संत परिवार के पास नहीं है वहीं मोर्शी में विदेही संत श्रीरामजीबाबा की गादी के पॉचवी पीढ़ी के स्वयं को वंशज बताने वाले राजेन्द्र नत्थुजी नखातेने भी इस सम्बन्ध में इतना ही बताया कि 18 नवम्बर 2026 को 239 वा जन्मोत्सव मनाया है, इसके पूर्व जन्म को लेकर वे भी सही जानकारी देने में असमर्थ रहे।

मोर्शी स्थित रामदासजी बाबा का जीवित समाधि मंदिर

होशंगाबाद समाधि के महन्त परमेश्वरदास जी उर्फ श्याम भैया के द्वारा भी रामजीबाबा के बाबत प्रमाणित जानकारी नहीं दी जा सकी तथा इस बात को स्वीकार किया कि मोर्शी के भक्तों ने महन्त सुन्दरदास को जो एक फोटो दिया वह रामजीबाबा का ही है जिन्हें मोर्शी में विदेही समर्थ श्री रामजी बाबा के रूप में पहचाना जाता है, होशंगाबाद में बाबा का यह फोटो तीस साल के लगभग पहली बार आया, इसलिये मोर्शी में जीवित समाधि के बाद बने मंदिर और होशंगाबाद में उनकी समाधि एक ही संत की स्वीकारी गयी। इसके अलावा श्रीरामजीबाबा भक्तों के आग्रह पर अनेक गॉवों में ठहरे जिससे वहॉ उन ग्रामों मे उनकी चरणपादुकाओं की पूजा शुरू हुई और वहॉ उनके समाधिनुमा मंदिर बनने से उनके समाधि लेने के स्थानों पर दावे प्रचलित है जिनमें रायसेन जिले, हरदा जिले के कुछ गॉव सहित होशंगाबाद जिले की डोलरिया तहसील के ग्राम बोरतलाई बैगनिया आदि में चरणपादुकाओं की पूजा पूर्णश्रद्धा एवं भक्तिभाव से जारी है तथा लोगों की मन की मुरादें पूरी होने व मन्नतों के लिये इन सभी स्थानों पर बच्चों-जवान-बूढे. सभी का अन्न,गुड़,मिठाई आदि से तुलादान कर सामग्री पुजारी को देने का प्रचलन है। नर्मदापुरम में बाबा की गादी के वंशजों के अनुसार रामजीबाबा के गुरू रघोसंत थे जो राजगिर के शिष्य थे ओर इन्हें सिंगा जी महाराज की पीढ़ी में माना जाता है। संत शिरोमणि रामजीबाबा का समाधि स्थल होशंगाबाद में रेल्वे

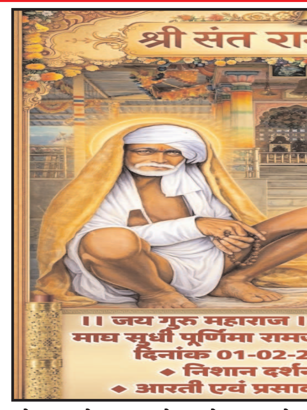

स्टेशन ओर बस स्टेण्ड के मध्य में पैदल सौ-डेढ़ सो कदमों दूर है। समाधि से पूर्व वे तवा नदी एवं नर्मदा मैया के संगम के निकट ग्राम घानाबढ़ जो वान्द्राभान मार्ग पर चार किलोमीटर दूर है वहॉ निवास करते थे। घानाबड़ में उनके दर्शनों के लिये भीड़ जुटने लगी तब अग्रवाल समाज के कुछ सेवकों ने रामजी बाबा से शहर में चलने का निवेदन किया और वे आ गये तब मंगलवारा जुमेराती स्थित अग्रवाल धर्मषाला में अपना डेरा डाला जहॉ उनकी स्मृति में समाधि बनी हुई है, कुछ समय निवास करने के बाद वे दक्षिण दिशा में आकर बस गये, कालान्तर में वहॉ पर रेल्वे स्टेशन एवं बसस्टेण्ड बन गया। होशंगाबाद में उनकी समाधि पर पिछले 300 सालों से अखण्ड ज्योति प्रज्जल्वित है और तभी से यहॉ डेढ़-दो सौ सालों से प्रतिवर्ष माघसुदी पूर्णिमा को मेला लगना शुरू हुआ जिसमें हजारों की सॅख्या में लोग बैलगाड़ी-घोड़ागाडी से आते थे जिससे अव्यवस्था हो जाती थी तब सन् 1965 में तत्कालीन कलेक्टर आर.एन.सिंह ने इस मेले को पॉच दिवसीय कर दिया और यह मेला बाबा की समाधि समिति द्वारा आयोजित किया जाता था किन्तु मेले से आमदनी कमाने की नीयत से वर्ष 1985 में नगरपालिका ने इस मेले को अपने हाथों में लेकर 10 दिनी कर दिया जो आज भी प्रचलित होकर नपा की मोटी आय का साधन बना और स्थानीय नेता अपने नाम से दर्जनों दुकानें लेकर चौगुने दामों में बेचकर,बिजली आदि का मनमाना बिल लेकर इस मेले को विकृत रूप दे चुके है। संतरामजी बाबा घानाबड़ में रहते थे तब उनके पास ग्राम धरावास, धानाबड़, रायपुर और खेडी लून पॉच गॉवों की मालगुजारी थी लेकिन वे कुटिया में रहना पंसद कर तम्बाखू और गुड का धंधा करने लगे, लेकिन कभी दुकान पर नहीं बैठते और भगवत भजन में लीन रहते। कहा जाता है कि जो भी ग्राहक आता अपने हाथों से पैसा रखकर उतना सामान तौलकर ले जाता जितने दाम रखता। जो ग्राहक बेईमानी से बिना पैसे या कम पैसा रखकर ज्यादा गुड, तम्बाखू ले जाता तो उसके घर पहुॅचते ही उसको पास उतना ही सामान निकलता जितने दाम उसने रखे है।

रामजीबाबा के अनेक चमत्कारों से यहॉ के भक्त आत्मविभोर रहते है। कहते है जब वे घानाबड़ में थे तब नर्मदा में भीषण बाढ़ आयी उसमें सबकुल जलमग्न हो गया किन्तु बाबा ने कुटिया नहीं छोड़ी बाद में बाबा को बचाने के लिये कुछ लोग बड़ी नाव लेकर पहुॅचे तब उन्होंने देखा कि उनकी कुटिया के लेबल से दो फिट ज्यादा पानी चारों ओर हिलोर रहा था, सभी को लगा बाबा की कुटिया बह गयी होगी और कुछ नही बचा होगा, वे दुखी मन से बाबा की कुटिया की ओर विषाल नाव से बढ़े और बाबा को आवाज लगायी। वे कुटिया के पास पहुॅचकर यह देख अचंभित थे कि जितने स्थान पर कुटिया बनी थी नीचे होने के बाबजूद उसके चारों और पानी हिलौर मार रहा था पर कुटिया से कुछ फिट दूर ही पानी ठहर गया था, कुटिया के न डूबने को लोगों ने बड़ा चमत्कार मानते हुये लोग रामजीबाबा को अवतारी मानने लगे। जिसकी चर्चा चारो दिशाओं में फैल चुकी थी और बाबा के भक्तों का उनके प्रति गहरा लगाव देखते बनता था इसके पूर्व की एक घटना का जिक्र आता है कि-एक चमत्कार के अनुसार उन्हें परिवार के लोगों ने खेत में हल चलाने भेजा लेकिन जैसे ही उन्होंने हल चलाया वैसे ही चरचराहट की आवाज के साथ भूमि से रक्त का संचार फूट पड़ा, वे हल चलाना छोड़कर एक कौने में बैठ गये, तभी उनकी पत्नी उन्हें खाना खिलाने आयी और उन्हें एक जगह बैठा देखा तब कारण पूछा तो उन्होंने कहा कि पृथ्वी में भी जीव है इसलिये ऐसा हुआ तब पत्नी और गॉववालों ने यह दृश्य देखा सभी अचंभित हुये,तभी से उन्होनें खेती करना बंद कर दिया।

एक समय 500 गुंसाई अपनी जमात के साथ बद्रीनाथ दर्शन को निकले और संतरामजीबाबा के यहॉ ठहर गये भजन कीर्तन के बाद उन्होंने बाबा से भोजन कराने का निवेदन किया इस पर बाबा के पास उस समय चार पेड़े और थोड़ा सा दही था। बाबा ने अपने चेलों को आवाज देकर चार बड़ी टोकरिया एवं दही रखने के लिये पात्र बुलवाये। बाबा ने उन चारों टोकरियों में एक एक पेड़ा तथा तथा दहेडियों के पात्र. में दो-दो चम्मज दही रखा और कहा साहब देवेगा और उन्हें सफेद वस्त्रों से ढॅक दिया। कुछ समय बाद चादर हटाई तो वे चारों टोकरियॉ पेड़ों-मिठाईयों से भरपूर तथा दहेडियों में दही था जिसे सभी गोसाईयों को खिलाया गया, सभी का पेट भर गया, लेकिन उन टोकरियों से मिठाईया एवं दहेडियों का दही खत्म नहीं हुआ इस चमत्कार से सभी गोंसाई बाबा को नमन कर अगले दिन फिर प्रसाद-भोजन ग्रहण कर बद्रीनाथ की ओर रवाना हुए।

एक अन्य चमत्कार के अनुसार रामजीदास महाराज के एक मित्र बुदनी के पहाड़ के शिखर पर कुटिया बनाकर रहते थे जिनका नाम मृगरनाथ बाबा है जिन्हें अपभ्रंश में भृगनाथ भी कहा जाता है, उनसे मिलने रामजी बाबा नर्मदा के जल पर सहज ही पैदल चलकर जाते और मिलकर लौट आये, लोग बिना नाव या सहारे के उन्हें जल पर चलते देखकर उनकी भक्ति की पराकाष्ठा में उनके भजनों में डूब जाते।

संत शिरोमणि रामजी बाबा ने 19 साखी 26 भजन 2 आरति व 1 चतुर्दिश उपदेश लिखे जिसे वाणी भाष्य टीका के रूप में कन्देली के श्री चरणदास खत्री ने प्रस्तुत किया और परमेश्वर दास महन्त उर्फ श्याम भैया के संपादन में महन्त सुन्दरदास जी द्वारा प्रकाशित किया है। उनकी वाणी भाष्य में संग्रहित किये पदों में जहॉ जीव के परमात्मा से मिलन की सुन्दरतम व्याखायें प्राप्त होती है वही वे सरल मार्ग भी बताते है कि किस तरह परमात्मा को प्राप्त किया जा सकता है। रामदासजी निर्गुण निराकार भक्ति परम्परा के उत्कृष्ठ संत है। वे यहॉ पर बड़ी भावपूर्ण एवं रहस्यमय बात उजागर करते है कि यह शरीर अपने आप में एक ब्रम्हाड है जिसमें न जाने कितने समुद्र और कितने तीर्थ है और चारों और साधु-संत स्नान कर जन्ममरण के बंधन से मुक्त हो रहे है। रामदास जी ने परमात्मा को बिन पानी का समुद्र बताते हुये कहा कि इसमें कई तीर्थो का महात्म है। इस शरीर के मेरूदण्ड के नीचे मूल कमल में जिधर सुखमना नाड़ है वहॉ अलौकिक प्रकाश है जिसका ध्यान करने से परमानंद रूपी मोतियां की बरसात मिलेगी जो सदा से हो रही है लेकिन पाता वहीं है जो शरीर की इक्कीस ग्रन्थियॉ से पार पाता है ओर वही परमात्मा को देख पाता है। परमात्मा स्वयं प्रकाशवान है जो धरती और आकाश के भीतर अपनी आभा विखेर रहा है। शरीर में मूलाधार चक्र से लेकर जो सहस्त्र दल कमल चक्र में जगमगाता है वह चारां पदार्थ अर्थात मोझ और परमात्मा को पाता है। रामदासजी इसी परमात्मा को जो निर्गुण है निराकार है और अव्यक्त है उसके स्वरूपों को दिव्यदृष्टि पाकर देखने को कहते है, उनका कहना है कि उनका परमात्मा सर्वत्र,सर्वव्यापी और रमने वाला अंतरयामी है जिसे सभी को समझना चाहिये।

संत शिरोमणि रामजीबाबा ने सभी को संदेश दिया है। वे निर्गुण भक्ति के चमत्कारिक संत के रूप में विख्यात थे और जिस प्रकार नर्मदापुर में उनकी महिमा को बखान कर उनके भक्तों का सैलाव होशंगाबाद में उमड़ता है ठीक वहीं स्थिति अमरावती की तहसील मोर्शी में होती है जहॉ बाबा के चमत्कारों से लाभान्वित हो भक्तों की अपार भीड़ दर्शनों और तुलादान के लिये उमड़ती है। जब बाबा यहॉ थे तब नर्मदाक्षैत्र एक जंगली क्षैत्र था और आबादी न के बराबर थी। मुश्किल से यहॉ 50-60 परिवार ही निवास करते थे। जब अग्रवालों ने उनकी कृपा का लाभ लेने के लिये उन्हें जुमेराती मंगलवारा लेकर आये तब वर्तमान स्थान पर जंगल था जहॉ आने में लोग डरते थे। कालान्तर में यहॉ से रेल्वे लाईन प्रस्तावित हुई और समाधि को तोड़ने की बात निकली लेकिन बाबा के चमत्कार के कारण उन्हें रेल्वेलाईन और स्टेशन के लिये उनका वर्तमान समाधि स्थल हटाने का विचार बदलना पड़ा और आज जहॉ स्टेशन है वहीं बनाया गया।

संत रामजी बाबा का नाम सर्वधर्म सदभाव के लिये विख्यात है और उनकी मुस्लिम फकीर ओलिया गोरीशाह से स्नेह रहा और दोनों का एक दूसरे के यहॉ आना जाना बतलाया गया। इसी प्रेम के कारण जब बाबा की समाधि का निर्माण किया जाने लगा तब गुम्बज पर मस्जिद का नमूना खुदवाकर लगाया गया और तभी से मुस्लिम यहॉ नमाज पढ़ते थे जो आत्मीयता और परमात्मा में भेद को मिटाकर एकता का संदेश प्रसारित करता है। सप्ताह में लगने वाले हाट-बाजारों में तब रामजीबाबा के पास संत आत्माराम बाबा, स्वामी ब्रम्हगिरि जी, सिंघा जी महाराज, स्वामी रघोसंत जी, गुरूसाहिब महाराज एवं देवामाई (देवादासजी) आया करते और उनक सत्संग लाभ व दर्शनों के लिये भी लोग जुट जाया करते थे। रामजीबाबा के पास जुड़ने वाली इन साधु-संतों की जमात में जो भी रहस्यमय चचार्यें होती थी वे मौन में एक दूसरे के समक्ष एक भी षब्द व्यक्त किये होती थी जिसे वे ही समझते और परमानन्द में लीन रहते और भक्त इसे देखकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते किन्तु उनकी वाणी न सुन पाने के सुख से वंचित रहते। संत देवामाई से देवादास बनी संत की समाधि स्थल-सदरबाजार संत देवामाई महिला संत थी वह होशंगाबाद जिले की बनखेड़ी तहसील के ग्राम फतहपुर की थी वे नर्मदा परिक्रमा के दरम्यान रामजीबाबा के पास आकर ठहर गयी जहॉ से उन्हें ब्रम्ह की उपासना एवं आत्मा परमात्मा के सेतु के बीच आल्हाद नाद की परमानुभूति का अनुपम खजाना मिला। यह अनूठी अलौकिक संत देबाबाई रामजी बाबा से मिलने के बाद योग द्वारा महिला से पुरूष रूप में बन गयी और उनका नाम संत देवादास हो गया। किन्तु आज भी सदरबाजार होशंगाबाद में देवाबाई की समाधि है जिसमें सैकड़ों एकड़ जमीन एवं कोठारी मंदिर के सामने विशाल मंदिर व भूमि एवं उस पर संचालित दुकानों पर देवाबाई गादी पर काबिज परसाई परिवार देखरेख के नाम पर मौज कर रहा है और देवाबाई की समाधि पर सुबह-शाम की आरति आदि किसी भी तरह के पूर्व में होने वाले आयोजनों पर विराम लगा होने से शहरवासियों के लिये यह समाधि अंजान ही बनी हुई है।

जाति, न्याय और लोकतंत्र : एक असहज सच्चाई

-प्रियंका सौरभ

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत का लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि एक नैतिक संकल्प है—समानता, न्याय और बंधुत्व का। संविधान की प्रस्तावना इसी संकल्प का उद्घोष करती है। परंतु आज जब हम अपने चारों ओर देखते हैं, तो यह प्रश्न असहज रूप से सामने खड़ा होता है कि क्या हम उस संकल्प के साथ न्याय कर पा रहे हैं? या फिर लोकतंत्र का यह ढांचा भीतर से दरक चुका है, जहाँ कानून, व्यवस्था और सत्ता—तीनों ही जाति, वर्ग और पहचान की गिरफ़्त में हैं।

आज कानून बनते हैं, संशोधन होते हैं, नए-नए प्रावधान जोड़े जाते हैं, परंतु उनके पीछे की मंशा पर सवाल उठना स्वाभाविक हो गया है। क्या ये कानून नागरिक के लिए हैं, या किसी विशेष समूह, वर्ग या वोट बैंक के लिए? जब विधायन का आधार तर्क और न्याय की जगह सामाजिक पहचान लेने लगे, तब लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ना तय है। कानून का काम समाज को जोड़ना है, लेकिन यदि वही समाज को खाँचों में बाँटने का माध्यम बन जाए, तो यह स्थिति केवल चिंताजनक नहीं, बल्कि खतरनाक भी है।

न्याय व्यवस्था की भूमिका किसी भी लोकतंत्र में सबसे पवित्र मानी जाती है। न्यायालय वह स्थान है जहाँ अंतिम उम्मीद जाकर टिकती है। लेकिन जब यह धारणा बनने लगे कि न्याय की दहलीज पर पहुँचने से पहले व्यक्ति की जाति, हैसियत और राजनीतिक संरक्षण देखा जा रहा है, तो विश्वास की नींव हिलने लगती है। न्याय केवल निर्णय नहीं होता; वह भरोसा होता है। और जब यह भरोसा टूटता है, तो उसका असर केवल एक व्यक्ति पर नहीं, पूरे समाज पर पड़ता है। आज न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या, फैसलों में देरी, और कुछ मामलों में दिखता स्पष्ट या अप्रत्यक्ष पक्षपात—ये सब लोकतंत्र के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न हैं।

लोकतंत्र के नाम पर सत्य का क्षरण एक धीमी लेकिन निरंतर प्रक्रिया है। यह एक दिन में नहीं होता। पहले असुविधाजनक सवालों को राष्ट्र-विरोधी कहा जाता है, फिर आलोचना को षड्यंत्र बताया जाता है, और अंततः सच बोलने वालों को हाशिए पर धकेल दिया जाता है। जब संसद में बहसें समाधान से अधिक शोर बन जाएँ, जब मीडिया का एक बड़ा हिस्सा सत्ता का विस्तार बन जाए, और जब सामाजिक विमर्श भावनाओं के उकसावे तक सिमट जाए—तो समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र केवल औपचारिक रूप से जीवित है, उसकी आत्मा संकट में है।

समरसता की बातें हर मंच से होती हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई इसके उलट दिखाई देती है। समाज में विभाजन गहराता जा रहा है—धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, भाषा और क्षेत्र के नाम पर। सत्ता इन विभाजनों को पाटने के बजाय, अक्सर इन्हें साधन की तरह इस्तेमाल करती है। ह्यफूट डालो और राज करोह्व अब इतिहास की किताबों में दर्ज कोई औपनिवेशिक नीति नहीं रही, बल्कि समकालीन राजनीति की एक प्रभावी रणनीति बन चुकी है। जब जनता आपस में उलझी रहती है, तब सत्ता से सवाल करने की ताकत कमजोर पड़ जाती है।

यह विडंबना ही है कि एक ओर जाति-पाति मिटाने की बातें होती हैं, दूसरी ओर हर राजनीतिक गणित जातिगत समीकरणों पर आधारित होता है। चुनावी टिकटों से लेकर नीतिगत फैसलों तक, जाति एक निर्णायक तत्व बनी हुई है। ऐसे में जाति से ऊपर उठने का उपदेश खोखला प्रतीत होता है। यदि सचमुच जाति अप्रासंगिक होती, तो उसका उल्लेख हर नीति, हर बहस और हर चुनाव में इतनी प्रमुखता से क्यों होता? आशाओं के इस देश में निराशा का बढ़ता विस्तार केवल आर्थिक कारणों से नहीं है। बेरोजगारी, महँगाई और संसाधनों की असमानता तो कारक हैं ही, लेकिन उससे भी बड़ा कारण है—विश्वास का टूटना। जनता ने जिन हाथों में सत्ता सौंपी, उनसे यह अपेक्षा थी कि वे सबके हित में काम करेंगे। परंतु जब वही सत्ता अपने अस्तित्व को बचाने के लिए समाज को बाँटने लगे, आलोचना से डरने लगे और असहमति को दबाने लगे, तब लोकतंत्र का नैतिक आधार कमजोर हो जाता है।

सत्ता का सच से मुँह फेर लेना किसी भी समाज के लिए शुभ संकेत नहीं है। जब शासन केवल अपनी छवि गढ़ने में व्यस्त हो जाए और वास्तविक समस्याओं से आँख चुराने लगे, तब झूठ एक समानांतर यथार्थ रच देता है। इस यथार्थ में आँकड़े चमकदार होते हैं, भाषण ऊँचे होते हैं, लेकिन आम आदमी की ज़िंदगी लगातार कठिन होती जाती है। सच को ढँकने के लिए प्रचार का सहारा लिया जाता है, और धीरे-धीरे जनता को यही सिखाया जाता है कि सवाल करना असभ्यता है।

विधान सभाओं और संसद में सामाजिक न्याय की बातें अक्सर सुनाई देती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर वही अन्याय नए-नए रूपों में सामने आता है। नीतियों में सुधार के नाम पर ऐसे प्रावधान लाए जाते हैं, जो या तो आधे-अधूरे होते हैं या फिर नए विवादों को जन्म देते हैं। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब नीति-निर्माण में प्रभावित वर्गों की वास्तविक भागीदारी न हो, और फैसले ऊपर से थोपे जाएँ।

लोकतंत्र की असली परीक्षा संकट के समय होती है। क्या वह सबसे कमजोर नागरिक के साथ खड़ा होता है, या सबसे ताकतवर के साथ? आज यह प्रश्न पहले से अधिक प्रासंगिक है। जब अन्याय किसी दूसरे के साथ होता है, तब समाज का एक बड़ा हिस्सा चुप रहता है। लेकिन यही चुप्पी कल अपने ही अधिकारों के क्षरण का कारण बनती है। चयनात्मक नैतिकता—जहाँ हम केवल अपने हित का अन्याय देखते हैं—लोकतंत्र को भीतर से खोखला कर देती है।

यह संपादकीय किसी एक सरकार, एक दल या एक नेता के विरुद्ध आरोप-पत्र नहीं है। यह एक सामूहिक आत्मावलोकन का आग्रह है। लोकतंत्र केवल शासकों की जिम्मेदारी नहीं, नागरिकों की भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। सवाल पूछना, असहमति जताना और सच के साथ खड़ा होना—यही लोकतंत्र की असली शक्ति है। यदि हम सुविधा के लिए चुप रहना चुनते हैं, तो फिर व्यवस्था के पतन की जिम्मेदारी से भी हम बच नहीं सकते। आज आवश्यकता है कि न्याय को फिर से उसके मूल अर्थ में लौटाया जाए—निष्पक्ष, निर्भीक और समान। कानून का उद्देश्य सत्ता को सुरक्षित करना नहीं, बल्कि नागरिक के अधिकारों की रक्षा करना होना चाहिए। राजनीति का धर्म ध्रुवीकरण नहीं, समाधान होना चाहिए। और लोकतंत्र का अर्थ केवल पाँच साल में एक बार मतदान करना नहीं, बल्कि हर दिन सजग रहना होना चाहिए।

यदि हम अब भी नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमसे यह नहीं पूछेंगी कि हमने किसे वोट दिया था, बल्कि यह पूछेंगी कि जब समाज बाँटा जा रहा था, जब न्याय पहचान पूछ रहा था, और जब सच को दबाया जा रहा था—तब हमने क्या किया। यही प्रश्न आज के भारत के लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ा और सबसे जरूरी सवाल है।

एचएमएसआई ने दो नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए

पटना । होंडा मोटरसाईकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने दो नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए डियो 125 एक्स - एडिशन, जिसकी कीमत 87,733 रुपए है, और शाइन 125 लिमिटेड एडिशन, जिसकी कीमत 86,211 रुपए है (दिल्ली एक्स-शोरूम)। आज के बदलते राइडर्स को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए ये दोनों स्पेशल एडिशन एक रिफ्रेश्ड आइडेंटिटी, आकर्षक नए ग्राफिक्स और प्रीमियम डिजाइन एन्हांसमेंट्स के साथ पेश किए गए हैं, जो तेजी से बढ़ते भारतीय टू-व्हीलर मार्केट में इनकी अपील को और बढ़ाते हैं। नए स्पेशल एडिशन पेश करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ त्सुत्सुमु ओतानी ने कहा, बिल्कुल नया डियो 125 एक्स-एडिशन और शाइन 125 लिमिटेड एडिशन, स्टाइल की नई अभिव्यक्तियां पेश करने के साथ-साथ उस भरोसे और विश्वसनीयता को भी दर्शाते हैं, जिसकी उम्मीद ग्राहक होंडा से करते हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के डायरेक्टर सेल्स एंड मार्केटिंग, योगेश माथुर ने कहा, डियो 125 एक्स-एडिशन होंडा की अपनी जेन जेड डिजाइन टीम द्वारा तैयार की गई बोल्ड और यूथफुल एनर्जी के साथ आता है, जो आज के युवा राइडर्स की व्यक्तिगत पहचान को दशार्ता है।

मीरा भायंदर महानगरपालिका में नगरसेवक जय ठाकुर और मानसी शर्मा का पत्रकारों ने किया सम्मानित

उदयभान गुप्ता/ मीरा भायंदर(उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका परिसर में नगरसेवक जय ठाकुर एवं मानसी शर्मा का स्थानीय पत्रकारों द्वारा जोरदार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकार बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पत्रकारों ने नगरसेवकों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया तथा मीरा भायंदर शहर के विकास, जनसमस्याओं और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। नगरसेवक जय ठाकुर एवं मानसी शर्मा ने पत्रकारों से संवाद करते हुए कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और जनहित से जुड़े मुद्दों को उजागर करने में पत्रकारों का योगदान सराहनीय है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि शहर के नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे तथा मीडिया के साथ सकारात्मक सहयोग बनाए रखेंगे। इस अवसर पर नगरसेवक जय ठाकुर ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं स्वयं पत्रकार रह चुका हूँ, इसलिए पत्रकारों की समस्याओं को भली-भांति समझता हूँ। पत्रकारों के हक और सम्मान की लड़ाई मैं पूरी मजबूती से लड़ूंगा।

सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण कर बनाये गये फर्नीचर के 50 गोदामों पर तहसीलदार की बुलडोजर कार्रवाई

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका अंतर्गत कशेली गांव की सीमा में खाड़ी किनारे स्थित कांदळवन (मैंग्रोव) और खाजण जमीन पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार को तहसीलदार अभिजीत खोले के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए करीब 50 अवैध गोदामों को ध्वस्त कर दिया गया। मौजे कशेली की सीमा में सर्वे नंबर 193 की कुल 221 गुंठा जमीन सरकारी स्वामित्व की है। इस भूमि पर पास के फर्नीचर मार्केट से जुड़े गोदाम अवैध रूप से बनाए गए थे, जहां बड़े पैमाने पर फर्नीचर निर्माण का कार्य चल रहा था। यह जमीन कांदळवन क्षेत्र में आती है, जिसे वन विभाग के कब्जे में सौंपना आवश्यक था। इसी संबंध में उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका दायर की गई थी, जिसके तहत यह कार्रवाई की गई। तहसीलदार अभिजीत खोले ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्रवाई में छह जेसीबी मशीनों और भारी मात्रा में मनुष्यबल का उपयोग किया गया। अभियान में सभी मंडल अधिकारी, ग्राम राजस्व अधिकारी और स्थानीय नारपोली पुलिस के जवान शामिल थे। इस कार्रवाई से सरकारी कांदळवन भूमि पर अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप मच गया है। तहसीलदार अभिजीत खोले ने स्पष्ट किया कि कांदळवन और सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ आगे भी ऐसी कार्रवाइयां लगातार जारी रहेंगी।

कुकसे ग्रामपंचायत में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ ग्रामवासियों ने धरना आंदोलन की दी चेतावनी

भिवंडी। भिवंडी तालुका के ग्रुप ग्रामपंचायत कुकसे में कथित भ्रष्टाचार के विरोध में ग्रामीणों ने आंदोलन का ऐलान किया है। नरेश देऊ पाटील और उनके साथियों ने प्रशासन को दिए निवेदन में बताया कि सोमवार, 9 फरवरी को सुबह 11 बजे ग्रामपंचायत कार्यालय के सामने ह्लजवाब दो, हिसाब दोह्व धरना आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों का आरोप है कि 2019 से 2023 के बीच ग्रामनिधि, 14वें-15वें वित्त आयोग व अन्य सरकारी योजनाओं के तहत करीब 3.92 करोड़ रुपये से अधिक की अनियमितता हुई। एक ही काम के नाम पर बार-बार भुगतान, फर्जी काम, सामग्री खरीदी में घोटाले और कागजों पर विकास दिखाकर जनता के पैसे की लूट के आरोप लगाए गए हैं। आरटीआई के तहत जानकारी मांगने पर जवाब न देने और जानकारी छिपाने का भी आरोप है। ग्रामीणों का दावा है कि 2019 से 2025-26 तक कुल 6झ्7 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार की आशंका है। जलजीवन मिशन, नालियां, पानी, बिजली और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाएं बदहाल होने पर ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि विकास के नाम पर खर्च हुआ पैसा आखिर गया कहां। मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी गई है। आंदोलन को आरटीआई कार्यकर्ता महासंघ और अण्णा हजारे प्रेरित भ्रष्टाचार विरोधी संगठन का समर्थन मिला है।

अक्षय कुमार के साथ व्हील ऑफ फॉर्च्यून में नॉन-स्टॉप मस्ती लेकर आए रितेश देशमुख, साजिद खान और तुषार कपूर

मुंबई/पटना। व्हील ऑफ फॉर्च्यून के आने वाले एपिसोड में रितेश देशमुख, साजिद खान और तुषार कपूर शो में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे। अक्षय ने एक मजेदार एपिसोड के लिए माहौल बनाया, जब उन्होंने उन्हें लालची दोस्त के रूप में इंट्रोड्यूस किया। लगातार मजाक, हंसी और रोमांचक गेमप्ले के साथ, तीनों ने शो को नॉन-स्टॉप मस्ती और हंसी से भर दिया। एपिसोड में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, साजिद खान और तुषार कपूर को एक मजेदार गेम में शामिल करते हैं, जिससे सेट पर खुशनुमा माहौल बन जाता है। अक्षय कहते हैं, मैं कुछ चीजों के नाम दूंगा, और आप अपनी आवाजों से उन्हें गेस करेंगे। इसके बाद जो होता है वह पूरी तरह से पागलपन होता है, क्योंकि तीनों बढ़ा-चढ़ाकर और मजेदार साउंड इफेक्ट्स बनाना शुरू कर देते हैं, जिससे सब हंसने लगते हैं। सबसे मजेदार पलों में से एक तब आता है जब साजिद कहते हैं लकवा मार गया, जुलाब हो गया, पैंट फट गई, फिर तुषार 'टॉयलेट फ्लश' गेस करते हैं।

आदिवासी इलाके में बुनियादी सुविधाओं की खुली पोल

मृत आदिवासी के शव को झोली में उठाकर ले जाने को मजबूर हुए परिजन, वीडियो हुआ वायरल

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के जव्हार तहसील के ग्रामपंचायत तिलोंडा अंतर्गत आंबेपाडा की एक हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाओं की पोल खोल दी है। जव्हार से लगभग 42 किलोमीटर उत्तर में स्थित आंबेपाडा की आबादी महज 140 है, लेकिन आज भी यहां के लोगों को सड़क जैसी मूल सुविधा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

चांभारशेत-तिलोंडा मुख्य सड़क से आंबेवाड़ा तक करीब 1800 मीटर लंबा नया रास्ता वर्ष 2024-25 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत माती-मुरूम व खड़ीकरण कर 46 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया है। वर्तमान में इस मार्ग से जीप और पिकअप जैसे वाहन गुजर रहे हैं। इसके बावजूद इस सड़क का डामरीकरण (पक्की सड़क) अब तक नहीं हो पाया है, जबकि इसका प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसी अधूरे विकास का खामियाजा के. शैलेश मगन वागदड़ा नामक आदिवासी नागरिक को भुगतना पड़ा। वे लंबे समय से गंभीर रूप से बीमार थे। दिनांक 29 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक उनका उपचार कुटीर अस्पताल, जव्हार में चला। हालत बिगड़ने पर उन्हें 3 फरवरी 2026 को वेदांता वैद्यकीय महाविद्यालय अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उसी दिन शाम को एस्पिरेशन निमोनिया के कारण उनकी मृत्यु हो गई। मृत्यु के बाद वेदांता अस्पताल की एंबुलेंस उन्हें केवल चांभारशेतझ्तिलोंडा मुख्य सड़क तक ही छोड़ पाई। वहां से आंबेपाडा तक वाहन नहीं जा सका। मजबूरन परिजनों को शव को झोली (कपड़े के पालने) में डालकर पगडंडी के रास्ते घर तक ले जाना पड़ा। इस पूरी दर्दनाक प्रक्रिया का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और प्रशासनिक दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि चांभारशेतझ्तिलोंडा से आंबेवाड़ा तक सड़क का तत्काल डामरीकरण किया जाये तथा आदिवासी क्षेत्रों में आपातकालीन स्वास्थ्य परिवहन व्यवस्था को मजबूत किया जाये।

जिस दिन हादसा हुआ, उस दिन मुझे भी अजित पवार के साथ यात्रा करनी थीः महादेव जानकर

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री महादेव जानकर ने दावा किया है कि पिछले सप्ताह बारामती में हुए विमान हादसे वाले दिन उन्हें भी उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ यात्रा करनी थी, लेकिन मुंबई देर से पहुंचने के कारण वह उनके साथ नहीं जा सके। पुणे जिले के बारामती हवाई अड्डे पर 28 जनवरी को सुबह करीब आठ बजकर 45 मिनट पर एक चार्टर्ड विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें मुंबई से सवार अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी।राष्ट्रीय समाज पक्ष (आरएसपी) के प्रमुख जानकर ने बुधवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि दुर्घटना से कुछ दिन पहले उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता पवार से बातचीत हुई थी और उन्हें उसी विमान से बारामती जाने के लिए बुलाया गया था। उन्होंने कहा, ह्लहालांकि मैं मुंबई देर से पहुंचा, जिसके कारण मैं अजित पवार के साथ बारामती विमान से नहीं जा सका।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और पवार की मृत्यु राज्य के लिए एक बड़ी क्षति है।ह्व धनगर (चरवाहा) समुदाय के नेता जानकर पश्चिमी महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ जिलों में प्रभाव रखने वाली आरएसपी के प्रमुख हैं। वह 2016 में भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार में पशुपालन, दुग्ध विकास और मत्स्य पालन मंत्री रहे थे।

एपसीपी विलय पर शरद पवार का फडणवीस को कड़ा जवाब

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय पर चर्चा अजीत पवार और जयंत पाटिल के बीच हुई थी, न कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ। पवार ने सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर भी खुशी व्यक्त की। बारामती में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि मुझे खुशी है कि सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है... विलय को लेकर अजीत पवार और जयंत पाटिल के बीच चर्चा हुई थी। मुख्यमंत्री फडणवीस इन चचाओं में शामिल नहीं थे। उन्हें इस बारे में बोलने का क्या अधिकार था? उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल हमारा पूरा ध्यान सभी की देखभाल करने और शोक संतप्त लोगों के साथ मिलकर आगे बढ़ने पर है। अभी तक किसी भी राजनीतिक फैसले पर कोई चर्चा नहीं हो रही है।

66 वर्षीय अजीत पवार का 28 जनवरी की सुबह पुणे जिले के बारामती हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश के दौरान विमान दुर्घटना में निधन हो गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता और महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की विधवा, राष्ट्रीय मुख्यमंत्री सुनीत्रा पवार ने अजीत पवार के निधन के बाद रिक्त हुए मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभाला।

इसके अलावा, पवार ने कहा कि पारिवारिक घटना के कारण वे 58 वर्षों में पहली बार बजट दिवस पर संसद में उपस्थित नहीं हो सके और उन्होंने चिंता व्यक्त की कि केंद्रीय बजट आम लोगों के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है।

सहायक संचालक डॉ. सुहास माने ने उपकेंद्र गालतरे का किया दौरा

अरुणोदय सिकलसेल एनीमिया विशेष अभियान का किया निरीक्षण

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले में चल रहे अरुणोदय सिकलसेल एनीमिया विशेष अभियान के अंतर्गत बुधवार 4 फरवरी 2026 को सहायक संचालक (स्वास्थ्य) डॉ. सुहास माने ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोन्हे के अंतर्गत आने वाले उपकेंद्र गालतरे का दौरा कर अभियान की प्रगति की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डॉ. माने ने उपकेंद्र के कार्यक्षेत्र में घर-घर जाकर सिकलसेल जांच अभियान की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा की जा रही सिकलसेल जांच प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रात्यक्षिक देखकर कार्यप्रणाली की जांच की। डॉ. माने ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उपकेंद्र स्तर पर सिकलसेल जांच की संख्या बढ़ाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही जांच के बाद मरीजों को व्हाइट कार्ड, येलो कार्ड एवं रेड कार्ड का सही वितरण हो रहा है या नहीं, तथा सिकलसेल रोगियों के उपचार हेतु हाइड्रॉक्सी यूरिया दवाओं का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है या नहीं, इसकी भी समीक्षा की गई। अभियान के अंतर्गत अब तक शेष रह गई जांचों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने संबंधी मार्गदर्शन भी स्वास्थ्य कर्मचारियों को दिया गया। इस अवसर पर डॉ. माने ने कहा कि सिकलसेल-मुक्त पालघर जिला के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रशासन व स्वास्थ्य तंत्र को आपसी समन्वय एवं तेज गति से कार्य करना आवश्यक है।

बोरिवली में संयम रंग उत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बोरिवली में संयम रंग उत्सव का भव्य और आध्यात्मिक वातावरण में शुभारंभ हुआ। 4 फरवरी को मुंबई में पहली बार आयोजित हो रहे 64 दीक्षा महोत्सव के अवसर पर सुबह 7 बजे ७००से अधिक साधु-साध्वीजी भगवन्तो ने उत्सव के लिए विशेष रूप से निर्मित आध्यात्म नगरी में प्रवेश किया। इस प्रवेश यात्रा में देश के विभिन्न राज्यों से आए 64 दीक्षार्थी अपने पूरे परिवार के साथ शामिल हुए। आध्यात्म नगरी का उद्घाटन अमेरिका निवासी राजेशभाई शाह द्वारा किया गया। उन्होंने उदारतापूर्वक दान अर्पित कर दीक्षा मंडप के उद्घाटन का सौभाग्य भी प्राप्त किया।

इस अवसर पर आध्यात्म परिवार संस्था द्वारा जैन शासन के लिए किए गए विराट कार्यों की झलक प्रस्तुत करने वाली प्रदर्शनी आम जनता के लिए खोली गई, जिसमें मानव जीवन को सही दिशा में जीने की प्रेरणा देने वाली आकर्षक और कलात्मक प्रस्तुतियाँ प्रदर्शित की गईं। साथ ही धर्म की रक्षा हेतु उत्साह और शौर्य का संचार करने वाली जैन शासन शौर्यगाथा का भी कल शुभारंभ हुआ। शौर्यगाथा की प्रत्येक एक घंटे की प्रस्तुति में हजारों श्रद्धालु लाभ ले रहे हैं।

स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का मजबूत वित्तीय प्रदर्शन

मुंबई। स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड, जिसका पूर्व नाम स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड था, ने अपने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौ महीने के परिणाम घोषित किए, जो कंपनी की स्ट्रेटेजिक ग्रोथ, फाइनेंसियल ग्रोथ और लांग टर्म वैल्यू क्रिएशन को दशार्ता है।

वित्त वर्ष 2026 के नौ महीनों में स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया। इस अवधि में कंपनी की कुल आय 562 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 23.6% की वृद्धि को दशार्ती है। एबिटडा 102 करोड़ रुपये रहा, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष 11.9% की बढ़ोतरी दर्ज की गई और एबिटडा मार्जिन 18.2% रहा। प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) 83 करोड़ रुपये रहा, जो 15.9% की वृद्धि को दशार्ता है, जबकि प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पैट) 62 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 18.8% की बढ़ोतरी हुई और पैट मार्जिन 11.0% दर्ज किया गया।

वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में कंपनी ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। इस तिमाही के दौरान कुल आय 196 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37.1% अधिक है। एबिटडा 34 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 17.0% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि हुई और एबिटडा मार्जिन 17.1% रहा। प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) 27 करोड़ रुपये रहा, जो 22.7% की वृद्धि को दशार्ता है, जबकि प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पैट) 20 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 28.3% की बढ़ोतरी दर्ज की गई और पैट मार्जिन 10.4% रहा।

मैनेजिंग डायरेक्टर नागेश्वर राव कंदुला ने कहा, वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौवीं माही हमारी कंपनी के लिए एक निर्णायक दौर है। हमने सफलतापूर्वक इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म में खुद को परिवर्तित कर लिया है, साथ ही अपने मुख्य ग्लास-लाइनिंग बिजनेस को भी तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। ग्लास-लाइन्ड टेक्नोलॉजीज में नेतृत्व, कंडक्टिविटी ग्लास-लाइन्ड रिएक्टरों जैसे ब्रेकथ्रू इनिवेशंस, शेल-एंड-ट्यूब हीट एक्सचेंजर्स में मजबूत पकड़ और विस्तारित टर्नकी इंजीनियरिंग क्षमताओं के साथ, स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड लॉगटर्म, सस्टेनेबल मूल्य क्रिएशन के लिए अच्छी स्थिति में है।

हमारा ध्यान एक्सक्यूशन एक्सीलेंस, टेक्नोलॉजिकल लीडरशिप और अपने शेयरधारकों के लिए निरंतर मूल्य क्रिएशन पर केंद्रित है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण तिमाही है। इस तिमाही के दौरान, कंपनी औपचारिक रूप से अपने कॉर्पोरेट नाम को बदलकर स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड कर दिया। पिछले कुछ वर्षों में, कंपनी एक प्रोडक्ट सेंट्रिक ऑर्गेनाइजेशन से हाई प्रिसिशन, इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म में विकसित हुई है—जो अवधारणा से लेकर चालू करने तक सिंहले पॉट रेस्पोंसिबिलिटी के साथ काम्प्लेक्स, मल्टी डिस्कोप्लीनरी प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में सक्षम है। हमारा नया नाम हमारी पहचान को इसी वास्तविकता के अनुरूप बनाता है।

चेंबूर नाका मातोश्री रमाबाई आंबेडकर प्रसूति गृह परिसर में तीन दिवसीय आमरण अनशन हुआ समाप्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर नाका स्थित मातोश्री रमाबाई आंबेडकर प्रसूति गृह परिसर में उनकी प्रतिमा लगाने और बस स्टाप का नाम मातोश्री रमाबाई आंबेडकर रखने की मांग को लेकर बहुजन लोक निर्धार सामाजिक संघ(रजि)की तरफ से गत तीन दिनों से आमरण अनशन शुरू किया गया था।

पूर्व नगर सेवक और पूर्व बेस्ट समिति के अध्यक्ष अनिल पाटणकर और स्थानीय कार्यसम्राट नगर सेविका आशा सुभाष मराठे ,नगरसेविका मीनाक्षी अनिल पाटणकर ने इस मामले को संज्ञान में लेकर मनपा और बेस्ट विभाग के अधिकारियों से बातचीत के दौरान मिले आश्वासन के आधार पर अनशन कर रहे रमेश गायकवाड़ को नीबू शरबत पिलाकर बेमुदत धरना समाप्त करवाया। इस मौके पर समाजसेवी सुभाष मराठे, रवि जयवंत गायकवाड़, विवेक काकडे, संतोष सालवे, अजिंक्य घोलप, मिलिंद पवार,योगेश गायकवाड़, संतोष मलेकर,रुपेश पवार,अमर कांबले,अविनाश गायकवाड़ आदि उपस्थित थे। समापन पर रमेश गायकवाड़ ने सभी लोगों के प्रति दिल से आभार व्यक्त किया।

वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2026 का आयोजन

मुंबई। द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट द्वारा 25 से 27 फरवरी 2026 को वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2026 का आयोजन किया जाएगा। हरउ्र 2026 का यह रजत जयंती संस्करण है। इसकी जानकारी देने हेतु आयोजित बैठक में भारत की जलवायु कार्रवाई (क्लाइमेट एक्शन), सतत विकास और वैश्विक सहयोग की प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई।

पिछले 25 सालों में WSDS एक बड़ा वैश्विक मंच बन गया है। यह पर्यावरण के स्थायित्व को लेकर होने वाली बातचीत और नीतियों को आकार देता है। TERI इस समिट के जरिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, उद्योग, फाइनेंस और सिविल सोसाइटी को एक साथ लाया है। इससे जलवायु कार्रवाई, ऊर्जा बदलाव और सतत विकास के समाधानों को बढ़ावा मिला है। WSDS ने ग्लोबल साउथ की आवाज का प्रसार किया है और यह दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देता है। इससे बातचीत को असल साझेदारियों और परिणामों में बदला गया है। WSDS 2026 में TERI 25 साल की अपनी प्रतिबद्धता, सहयोग और जलवायु कार्रवाई का जश्न मनाएगा। भारत इस साल BRICS समिट की मेजबानी कर रहा है। BRICS में क्लाइमेट एक्शन, ग्रीन फाइनेंस, ऊर्जा बदलाव और संवहनीय विकास को प्राथमिकता दी जाती है। हरउ्र इन BRICS प्राथमिकताओं को पूरा सहयोग देगा।

डॉ. विभा धवन, डायरेक्टर जनरल, ळएफक्र ने कहा, थीम परिवर्तन ट्रांसफॉमेर्शसः विजन, वॉइसेस एंड वैल्यूज WSDS के 25 साल के सफर को दिखाती है। यह सफर दृष्टिकोण तय करने और समावेशी बातचीत से शुरू हुआ। अब यह तेज क्रियान्वयन और जमीन पर मापने योग्य परिणामों तक पहुंच गया है।

इस थीम का मुख्य उद्देश्य है - दूरदर्शी रणनीतियों (विजन), सबकी भागीदारी वाली सहयोगी बातचीत (वॉइसेस), और गहराई से जुड़े सिद्धांत (वैल्यूज) को एक साथ लाना।

विशेष संबोधन में, सुश्री लीना नंदन, TERI की डिस्टिंग्विश्ड फेलो और पूर्व सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय(MoEFCC), भारत सरकार ने बात की। उन्होंने कहा कि प्रभावी पर्यावरण शासन के लिए नीतियों का एक जैसा होना और संस्थाओं को मजबूत करना बहुत जरूरी है। सुश्री नंदन ने बताया, 25 साल पहले TERI ने सस्टेनेबिलिटी का जो रास्ता बनाया, उसकी गूंज पूरी दुनिया में है। WSDS का सिल्वर जुबली संस्करण दूरदर्शी अवधारणाओं, रोचक कहानियों और सबसे प्रमुख एक बेहतर कल की उम्मीद लेकर आएगा। यह दोबारा इस बात पर जोर देगा कि अच्छे शक्तिशाली विचारों की ताकत को यदि जुनूनी लोगों की मेहनत से मिला दिया जाए, तो यह बदलाव ला सकती है और लाएगी।

समिट की झलक पेश करते हुए, डॉ. शैली केडिया, क्यूरेटर, हरउ्र और डायरेक्टर, TERI ने सिल्वर जुबली संस्करण के मुख्य थीम्स, फोकस क्षेत्रों और अपेक्षित परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक विज्ञान-नीति मंच के रूप में WSDS का महत्व बताया, जो सबूत-आधारित संवाद और बहु-हितधारक भागीदारी के लिए जाना जाता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

बाइक की आमने-सामने टक्कर में चार घायल, एक की हालत गंभीर

वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर

जफराबाद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत हाईवे पर पहेतिया गांव के पास दो बाइक की आमने सामने टक्कर हो गई। टक्कर से बाइक सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमे एक युवक की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल के चिकित्सक वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिए।

बृहस्पतिवार को जफराबाद थाना क्षेत्र के किरतापुर गांव के रवि सोनकर गांव के ही विकास सोनकर और चंदवक से आये रिश्तेदार आकाश सोनकर के साथ एक ही बाइक से तीनों युवक जौनपुर शहर खरीददारी करने के लिए लिए जा रहे थे। बाइक रवि सोनकर चला रहा था और पीछे विकास सोनकर और आकाश बैठे हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक सवार रवि सोनकर जैसे ही जौनपुर- केराकत हाईवे पर जफराबाद थाना क्षेत्र के पहेतिया गांव के पास पहुचा तभी विपरीत

दिशा से आ रही तेज रफ्तार बाइक से आमने सामने टक्कर हो गई। टक्कर तेज होने के कारण एक बाइक चला रहे रवि सोनकर (22) विकास सोनकर (21) निवासी गण किरतापुर थाना जफराबाद व आकाश सोनकर (20) निवासी चंदवक थाना चंदवक एवं दूसरा बाइक चला रहा प्रेम कुमार (23) निवासी चौकियां थाना लाइन बाजार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दो एम्बुलेंस से चारो घायल युवको को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने रवि सोनकर की हालत गंभीर देख वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। वही आकाश सोनकर, विकास सोनकर और प्रेम का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

मेडिकल कालेज में विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता शिविर का हुआ अयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 आर0 बी0 कमल के दिशा निर्देश में जनरल सर्जरी विभाग, जनरल मेंडिसिन विभाग एवं आब्स एण्ड गायनी विभाग के द्वारा दिनांक 4 फरवरी, 2026 को विश्व कैंसर दिवस पर अस्पताल में कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। विश्व कैंसर जागरूकता शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को कैंसर के बारे में सही जानकारी देना, समय रहते जांच के लिए प्रेरित करना और कैंसर से होने वाली मृत्यु दर को कम करना होता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य प्रो0 आर0 बी0 कमल द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कैंसर विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी पुरूष/महिला को कैंसर संबंधी लक्षणों या समस्याओं के प्रति संकोच नहीं करना चाहिए तथा समय रहते विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेकर आवश्यक जाँच अवश्य करानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक बीमारी का कोई-न-कोई उपचार उपलब्ध है, बशर्ते उसकी पहचान समय पर हो जाए।

प्रधानाचार्य ने विश्व कैंसर जागरूकता शिविर जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं मेडिसिन विभाग की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया तथा भविष्य में भी ऐसे

जनहितकारी कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. ए.ए. जाफरी ने विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक कैंसर रोगी की स्थिति एवं उसकी बीमारी की प्रकृति अलग-अलग होती है। परीक्षा नियन्त्रक डा0 ले0 कर्नल सी.बी.एस. पटेल ने अपने संबोधन में दांत एवं मुख (ओरल) कैंसर से संबंधित लक्षणों एवं उसके उपचार के विषय में विस्तृत जानकारी दी।

स्त्री एवं प्रसूति रोग की विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता पाण्डेय ने अपने संबोधन में ब्रेस्ट कैंसर तथा बच्चेदानी के मुंह (सर्वाइकल) से संबंधित कैंसर के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। टीबी एवं चेस्ट रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अचल सिंह ने अपने संबोधन में फेफड़ों से संबंधित होने वाले कैंसर के विषय में जानकारी प्रदान की।

बाल रोग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अरविन्द यादव ने अपने संबोधन में बच्चों में होने वाले कैंसर, विशेष रूप से एडवांस ब्रेन कैंसर के विषय में जानकारी देते हुए उपस्थित जनसमूह को जागरूक किया।

उप-प्रधानाचार्य प्रोफेसर आशीष यादव ने अपने संबोधन में संबंधित एमबीबीएस छात्र के पिताजी के उपचार के दौरान प्रदान किए गए सहयोग की चर्चा अत्यंत गौरवान्वित एवं प्रेरणादायक शब्दों में की। चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर रुचिरा सेठी ने अपने संबोधन में अपने स्वयं के बच्चे के कैंसर उपचार से जुड़े व्यक्तिगत अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि उनके बच्चे के इलाज के दौरान चिकित्सकों द्वारा सुझाई गई प्रत्येक जांच, परामर्श एवं उपचार प्रक्रिया को उन्होंने पूर्ण विश्वास एवं अनुशासन के साथ अपनाया। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विनोद कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में मेडिसिन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जितेंद्र कुमार ने सभी उपस्थितजनों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर प्रो0 अमेश सरोज, प्रो0 भारतीय यादव, डा0 आशुतोष सिंह, डा0 हमजा अंसारी, डा0 चन्द्रभान, डा0 रोहित सरोज, डा0 रेनू , डा0 अभिषेक सिंह, डा0 अजय कुमार, डा0 जयसूर्या, डा0 जयन्त शर्मा, डा0 संदीप एवं अन्य चिकित्सक व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

लखनऊ में खूनी मांझे का कहर, हंसते-खेलते युवक की दर्दनाक मौत

डॉ.आबिद खान

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। अदालत की सख्त रोक के बावजूद उत्तर प्रदेश में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा जानलेवा साबित हो रहा है। राजधानी लखनऊ में प्रतिबंधित मांझे ने एक ज़िंदगी छीन ली। बाजारखाला थाना क्षेत्र में बुधवार को दुबग्गा निवासी 33 वर्षीय शोएब की गर्दन कटने से मौत हो गई। शोएब किसी काम से शहर की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह बाजारखाला थाना क्षेत्र में पहुंचे, अचानक हवा में लटके प्रतिबंधित मांझे की चपेट में आ गए। मांझा गर्दन की नस पर लगा, जिससे

गहरा जख्म हो गया। अत्यधिक खून बहने के कारण शोएब मौके पर ही लड़खड़ा कर गिर पड़े।

आस-पास मौजूद लोगों की मदद से परिजन उन्हें आनन-फानन में ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना के बाद यह स्पष्ट नहीं हो सका कि मांझा किस पतंगबाज का था। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की जा रही है।

आपको बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लगातार हो रही घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए चाइनीज मांझे के निर्माण, बिक्री और इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश दिए थे। बावजूद इसके राजधानी समेत प्रदेश के कई जिलों में यह जानलेवा मांझा खुलेआम बिक रहा है और पतंगबाजी बदस्तूर जारी है। लगातार हो रही मौतों के बाद भी न तो प्रशासन की सख्ती नजर आ रही है और न ही प्रतिबंध का असर। सवाल यह है कि आखिर कितनी और और जानें जाएंगी, तब जाकर यह घातक मांझा पूरी तरह बंद होगा।

मनरेगा को बहाल किये जाने को लेकर कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

पूंजीपतियों के हाथों मजदूरों को गुलाम बनाना चाहती है मोदी सरकारः डा.प्रमोद कुमार सिंह

अनवर हुसैन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना कानून खत्म किए जाने के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन कर महामहिम को संबोधित ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए मनरेगा कानून खत्म किया गया है। पूंजीपतियों और कारपोरेट घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए मोदी सरकार द्वारा जानबूझकर गरीबो, मजदूरों श्रमिकों महिलाओं को शहरी पलायन के लिए बजबूर किया जा रहा है। डा.प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि यूपीए सरकार के तत्कालीन प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह के द्वारा बनाया गया मनरेगा योजना सिर्फ एक कानून ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और रोजगार के लिए क्रांतिकारी कानून साबित हुआ। जिससे गांवों के अकुशल मजदूरों को गारंटी के तहत रोजगार उपलब्ध कराया जाता था?। प्रमोद सिंह ने केन्द्र सरकार द्वारा पास किए गये नयी योजना वीबी रामजी की कमियां गिनाने हुए कहा कि यह कानून पूर्व प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी जी द्वारा पंचायती राज एक्ट के तहत ग्रामपंचायतों को दिये गये स्वतंत्रत अधिकारों को सीमित कर देगा। इससे गांवों का विकास बाधित होगा ग्राम पंचायते स्वतंत्रत रुप से विकास कार्य नहीं कर पायेगी एवं ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों को गांव में रोजगार भी मिलना असंभव हो जायेगा, गांवों में

ठेकेदारी प्रथा पैदा हो जायेगी। यह नया कानून राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को अपमानित करने के लिए बनाया गया है। डा.सिंह ने आगे कहा कि मोदी सरकार हर मोर्चे पर विफल हो गयी है। राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ गयी है, महंगाई और बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ रही है, विपक्ष को दबाकर लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। प्रदर्शन में कांग्रेसियों ने मनरेगा कानून बहाल बहाल किए जाने की मांग की। इस मौके पर प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, प्रदेश सचिव पंकज सोनकर,मनरेगा बचाओ संग्राम के जिला को आर्डिनेटर डा.राकेश मिश्र मंगला गुरु, देवराज पांडेय, विनय तिवारी, राकेश सिंह डब्बू, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष रेखा सिंह,लाल प्रकाश पाल, अरुण शुक्ला, राजीव निषाद, देवेन्द्र मिश्रा, प्रवेश निषाद, रामसिंह बांकुरे, राजकुमारी मिश्रा, अर्सलान खान, अरविंद कुमार, महात्मा शुक्ला, नरेन्द्र प्रताप, जयप्रकाश मिश्रा, अनिल सोनकर, अर्शलान खान, जब्बार अली सलमानी, आरिफ सलमानी, दीपक भट्ट, असरफ अली, मु.ताहिर, अनिल दूबे आजाद, ललित चौरसिया, इरशाद खान, जयराम सरोज, विजय यादव, लोकेश दूबे, शैलेश तिवारी, सब्बल अंसारी, मीना देवी, चंपा देवी सहित अन्य सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

लिपिकीय त्रुटि के कारण वरासत दर्ज होने में आ रही समस्या का मात्र एक घंटे में हुआ निस्तारण

त्रुटि में सुधार कराते हुए जिलाधिकारी ने फरियादी को दी खतौनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के 4 फरवरी 2026 को जनसुनवाई के दौरान तहसील केराकत के ग्राम पंचायत रामपुर निवासिनी 82 वर्ष

की वयोवृद्ध फरियादी श्यामदुलारी जी के द्वारा प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि उनके पति की मृत्यु के उपरान्त लिपिकीय त्रुटियों के कारण वरासत दर्ज कराने में कठिनाई का सामना कर रही है। उनके प्रार्थना पत्र पर संवेदनशीलता बरतते हुए जिलाधिकारी के द्वारा उपजिलाधिकारी केराकत और तहसीलदार को निर्देश दिया गया कि तत्काल अन्य संबंधित अभिलेखों के आधार पर लिपिकीय त्रुटियों को शुद्ध कराते हुए खतौनी उपलब्ध करा दिया जाये, जिसके क्रम में मात्र 01 घण्टें में ही उनके लिपिकीय त्रुटियों को शुद्ध करा दिया गया और आज जिलाधिकारी के द्वारा श्यामदुलारी जी को जनसुनवाई कक्ष में खतौनी उपलब्ध करा दी गई।

इसके साथ ही जिलाधिकारी के द्वारा ठंड के दृष्टिगत वयोवृद्व श्यामदुलारी जी को कम्बल और जूता प्रदान किया गया जिस पर भाव विह्वल होकर उन्होंने जिलाधिकारी को आशीर्वाद देते हुए शासन प्रशासन का आभार प्रकट किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि श्यामदुलारी जी विगत कई महीनों से वरासत दर्ज कराने के लिए प्रयास कर रही थी, प्रकरण संज्ञान में आने के उपरान्त उनकी समस्या का निस्तारण मात्र 01 घण्टे में ही करा दिया गया और उन्हें खतौनी भी उपलब्ध करा दी गई है। जिलाधिकारी के द्वारा समस्त उपजिलाधिकारी और तहसीलदार को निर्देशित किया गया कि मुख्यमंत्री के मंशानुरूप ऐसे प्रकरण को गम्भीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए प्रकरणों का निस्तारण किया जाए। इसके साथ ही जिलाधिकारी के द्वारा श्यामदुलारी जी के साथ आये उदय भान राय जी के द्वारा अवगत कराया गया कि उनका किसान सम्मान निधि अवरूद्ध हो गयी है, जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा सम्बन्धित को निर्देश दिया कि तत्काल प्रकरण का निस्तारण कराया जाए जिसके क्रम में उनकी फार्मर रजिस्ट्री करा दी गयी। उदयभान जी के द्वारा भी मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए शासन प्रशासन को आभार व्यक्त किया गया।

छेड़खानी का विरोध करने वाले युवकों को मनबढ़ों ने जमकर पीटा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गांव में आकर छेड़खानी करने वाले मन बढ़ो का विरोध करने पर दो युवकों को मारपीट कर घायल कर दिया गया। पुलिस घायलों

का उपचार और चिकित्सकीय परीक्षण करवा कर मुकदमा दर्ज कर लिया और आगे की कार्रवाई करने में जुटी हुई है। बताया जाता है कि लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मदारपुर ग्राम निवासी विवेक गौतम 15 वर्ष पुत्र सुनील कुमार अजीत कुमार 16 वर्ष पुत्र धर्मेंद्र गुरुवार सुबह 10:00 बजे दोनों साइकिल से स्कूल जा रहे थे। इसी दौरान क्षेत्र के फूलपुर गांव के पास मनबढ़ लगभग आधा दर्जन लोगों ने दोनों को रोककर लाठी डंडे से मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मुकदमा लिखकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दिया है।

जौनपुर के नए पुलिस अधीक्षक होंगे कुंवर अनुपम सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शासन ने बुधवार की देर रात 24 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। तबादले की सूची सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। सूची के मुताबिक जौनपुर के एसपी डॉ. कौस्तुभ को गोरखपुर का नया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बनाया गया है वहीं सुल्तानपुर के पुलिस अधीक्षक आईपीएस अफसर कुंवर अनुपम सिंह जौनपुर के नए पुलिस कप्तान होंगे।

आपको बता दें कि आईपीएस अफसर कुंवर अनुपम सिंह 2013 बैच के आईपीएस अधिकारी है। जौनपुर से पहले वह सुल्तानपुर में पुलिस अधीक्षक के पद पर रहे। इसके पूर्व वह अमरोहा में बतौर एसपी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। आईपीएस अफसर कुंवर अनुपम सिंह मूल रूप से प्रयागराज के रहने वाले हैं। उनके पिता राधेश्याम जलसंस्थान में नौकरी करते थे और मां शीलादेवी अस्पताल में नर्स थीं। स्नातकोत्तर के बाद उन्होंने कम्प्यूटर

साइंस (इन्फार्मेशन फाइबर ऑप्टिज्म) में सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की। वो प्राइवेट नौकरी नहीं करना चाहते थे, इसलिए कैम्पस प्लेसमेंट भी नहीं लिया और सिविल सर्विस का फॉर्म भर दिया।

बताया जाता है कि आईपीएस अफसर कुंवर अनुपम सिंह 2011 में पहली बार सिविल सर्विस की परीक्षा में बैठे लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद आगे की तैयारी के लिए दिल्ली जाकर कोचिंग ज्वाइन की और 2012 में प्री-मेंस पास करते हुए आईपीएस के लिए क्वालीफाई किया। IPS अफसर कुंवर अनुपम सिंह की हैदराबाद में ट्रेनिंग हुई। एक दिन वालीबॉल खेलते समय पैर में फ्रैक्चर हो गया, तब एक महीने तक बैड पर रहना पड़ा था। ट्रेनिंग के बाद उनकी पहली पोस्टिंग मथुरा में बतौर एएसपीढ हुई थी।

ज्वाइन करने के 3 महीने बाद 2 जून 2016 को जवाहरबाग कांड हुआ। वे उस ऑपरेशन में लगाए गए। उनके सामने ही कई पुलिसकर्मियों को गोली लगी। उन पर भी कई फायर किए गए, एक गोली उन्हें लगने से बची थी।

सुजानगंज पुलिस ने गुमशुदा को बरामद कर परिजनों को किया सुपुर्द

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा को बरामद कर परिजनों को किया गया सुपुर्द। थानाध्यक्ष सुजानगंज के नेतृत्व मेंथाना पुलिस टीम उ0नि0 मनोज कुमार सिंह, मय हमराह के द्वारा दिनांक 02.02.2026 को थाना स्थानीय पर दर्ज गुमशुदगी से सम्बन्धित गुमशुदा सीलवन्ती देवी पत्नी रामसमुझ निवासिनी ग्राम सलारपुर थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर उम्र 65 वर्ष, को बरामद कर आवेदक जयराम पुत्र स्व0 रामसमुझ निवासी ग्राम सलारपुर थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर को व अन्य परिजनों के समक्ष गुमशदा को सुपुर्द किया गया। गुमशुदा के बरामद हो जाने से उसके परिजनों तथा गाँव के अन्य लोगों द्वारा पुलिस की भूरि भूरि प्रशंसा किया गया। बरामदगी करने वाली पुलिस टीम,थानाध्यक्ष फूलचन्द पाण्डेय थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर। उ0नि0 मनोज कुमार सिंह थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर ।का0 ब्रजनन्दन अहिरवार थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर। म0का0 हीना पाल थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर।

सिकरारा पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सिकरारा पुलिस टीम द्वारा 02 वांछित आरोपियों को किया गया गिरफ्तार। प्र0नि0 सिकरारा के नेतृत्व में थाना पुलिस टीम उ0नि0 विनोद कुमार सिंह मय हमराही कर्मचारी गणों के द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर मु0अ0सं0-32/26 धारा-304 (2)बीएनएस थाना सिकरारा जनपद जौनपुर, से सम्बन्धित वांछित आरोपी ,इस्तियाक उर्फ करिया अली पुत्र गुलाम मुस्तफा निवासी कठार थाना सिकरारा जौनपुर , लकी यादव पुत्र नन्हेलाल यादव निवासी मेंहदी थाना सिकरारा जनपद जौनपुर को गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है ,अभियुक्त के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

शराब दुकान में चोरी, सीसीटीवी में कैद वारदात

माल बरामदगी नहीं होने पर पीड़ित ने लगाई गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सिकरारा क्षेत्र के महमदपुर निवासी निर्भय चौहान पुत्र लालता प्रसाद ने शराब दुकान में हुई चोरी के मामले में पुलिस प्रशासन से माल बरामद कराने की मांग की है। पीड़ित के अनुसार वह गनापुर स्थित सरकारी शराब की दुकान का प्रबंधन एवं देख-रेख करता है। पीड़ित ने बताया कि दिनांक 13 जनवरी 2026 की रात दुकान का चैनल व दरवाजे का ताला तोड़कर चार-पांच अज्ञात व्यक्तियों ने दुकान में रखी 133 सीसी 42 डिग्री शराब, 26 केन बीयर तथा करीब 25 हजार रुपये नगद चोरी कर लिए। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी तरह रिकॉर्ड हो गई है। फुटेज में साफ तौर पर चोरी को अंजाम देने वालों की पहचान भी हो रही है। पीड़ित के मुताबिक चोरी में शामिल आरोपियों के नाम सामने आए हैं। पीड़ित द्वारा प्रार्थना पत्र देने के बाद पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज कर क्राइम नंबर 0026/2026 कायम किया तथा आरोपियों की गिरफ्तारी भी हुई। हालांकि सभी आरोपी न्यायालय से जमानत पर छूट गए हैं।

पीड़ित का आरोप है कि घटना को कई दिन बीत जाने के बावजूद चोरी का माल अभी तक बरामद नहीं हो सका है, जिससे उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। पीड़ित निर्भय चौहान ने उच्चाधिकारियों से मांग की है कि मामले को संज्ञान में लेकर जल्द से जल्द चोरी गया माल बरामद कराया जाए, ताकि उसे न्याय मिल सके।

नमामि गंगे ने श्रमदाम कर दशाश्वमेध घाट पर की सफाई, गंगा निर्मलीकरण का लिया संकल्प

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में मां गंगा के प्रति अटूट श्रद्धा और पर्यावरण संरक्षण की भावना को सशक्त रूप देते हुए नमामि गंगे

अभियान के तहत गुरुवार को दशाश्वमेध घाट पर स्वच्छता जागरुकता एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने सफाई की। वहीं गंगा निर्मलीकरण का संकल्प दोहराया। घाट पर मौजूद आमजन को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रध्वज के साथ मां गंगा की विधिवत आरती से हुई। इसके उपरांत स्वयंसेवकों ने घाट पर फैली पूजन सामग्री, प्लास्टिक की थैलियां, डिस्पोजेबल सामान और पानी की खाली बोतलों को एकत्र कर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सफाई अभियान चलाया। एकत्रित कचरे को नगर निगम के माध्यम से उचित निपटान के लिए भेजा गया, ताकि घाट और नदी क्षेत्र स्वच्छ रह सके। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त गंगा का संकल्प भी दिलाया गया। नमामि गंगे के स्वयंसेवकों ने चिंता जताई कि प्लास्टिक कचरा न केवल गंगा के जल को प्रदूषित कर रहा है, बल्कि जलीय जीवों के अस्तित्व के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं और नागरिकों से अपील की कि पूजन के बाद फूल-माला, प्लास्टिक थैलियां या डिस्पोजेबल सामग्री नदी में प्रवाहित न करें और घाटों पर गंदगी न फैलाएं। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक एवं नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर राजेश शुक्ला ने कहा कि मां गंगा केवल काशी ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की जीवनरेखा हैं। उन्होंने कहा कि गंगा विश्व की एकमात्र ऐसी नदी हैं, जिनका धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व अद्वितीय है। इसकी स्वच्छता और संरक्षण हम सभी का सामूहिक दायित्व है। कार्यक्रम में महानगर प्रभारी पुष्पलता वर्मा, वेद प्रकाश तिवारी, अर्चना तिवारी, जगन, संजना शर्मा सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

जनपद की बेटी साक्षी सिंह का इसरो में हुआ चयन, जिले का नाम किया रौशन, परिजन में हर्ष

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भाजपा नेता बड़ेरी बाजार निवासी सुरेंद्र सिंह की पुत्री साक्षी सिंह का चयन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान के वैज्ञानिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण विभाग में हुआ है। अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र अहमदाबाद से मेल द्वारा सूचना मिलने के बाद परिवार और पूरे गांव में खुशी का माहौल बना है। गांव में रहकर साक्षी सिंह ने अपनी मेहनत से इतिहास रच दिया है। उनकी शिक्षा दीक्षा गांव के बाद जौनपुर में यू पी कालोनी में रहने वाले मामा के पास हुई। वर्तमान में तिलकधारी महाविद्यालय से एम एस सी प्रथम वर्ष में अध्ययन कर रही है। वृहस्पतिवार को उन्हें अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र अहमदाबाद से मेल द्वारा इसरो में प्रशिक्षण के लिए चयन होने की जानकारी मिली। साक्षी वर्तमान समय में अपने घर बड़ेरी में माता पिता के पास आई हुई है।उनके पिता सुरेन्द्र सिंह का कहना है कि बेटी की यह उपलब्धि केवल परिवार के लिए गर्व का विषय नहीं है, बल्कि पूरे जनपद की बेटियों के लिए प्रेरणा है। साक्षी की कड़ी मेहनत और परिवार के मार्गदर्शन ने ही साक्षी को इस मुकाम पर पहुँचाया।

पूर्व जिलाध्यक्ष किसान सभा रामगोपाल पटेल का निधन, पार्टी में शोक की लहर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के मिल्कीचक निवासी किसान सभा वाराणसी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वाराणसी जिला के मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता कामरेड राम गोपाल पटेल 90 वर्षीय

का गुरुवार की भोर में लगभग 3 बजे निधन हो गया। जिससे पार्टी में शोक की लहर दौड़ गयी। निधन की सूचना मिलने पर पार्टी के कार्यकताओं तथा पदाधिकारियो ने मिल्की चक स्थित उनके आवास पहुंच कर उनके आत्मा की शांति के लिए मौन होकर शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया तथा शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दिया।संयुक्त मंत्री किसान सभा वाराणसी डॉ.शिवशंकर शास्त्री ने कहा कि रामगोपाल पटेल के निधन होने से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की जो अपूर्णीय क्षति हुई है उसकी पूर्ति करना निकट भविष्य में संभव नहीं है। रामगोपाल का हरिश्चंद्र घाट पर मुखाग्नि उनके इकलौता पुत्र बृजराज पटेल ने दी। शवयात्रा में जिला मंत्री अनिल कुमार सिंह, पूर्व जिला मंत्री नंदलाल पटेल ,डॉ.शिव शंकर शास्त्री, कामरेड दूधनाथ, रामचंद्र शास्त्री, सागर प्रसाद सिंह, श्यामा प्रसाद, कुंदन पटेल, माता प्रसाद सहित पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी गण तथा क्षेत्रीय लोग शामिल रहे।

मोक्षधाम भूतनाथ महादेव कि मूर्ति स्थापना आज

चिराना। चिराना में स्थित मोक्षधाम में नवनिर्मित श्री भूतनाथ मंदिर में भगवान शिव कि भूतनाथ स्वरूप की मूर्ति स्थापना शुक्रवार को दोपहर सवा एक बजे किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक चेतन कुमावत व मोक्षधाम समिति के व्यवस्थापक अनील बारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मूर्ति अनावरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल होंगे तथा डॉ गणेश दास बैरागी ऋषिकेश देवाचार्य पीठ किरोड़ीधाम के पावन सानिध्य में विधिवत पूजा अर्चना के साथ अनावरण होगा।इस पुण्य कार्य में समस्त ग्रामवासी की सादर उपस्थित हेतु विकास कुमावत राकेश कुमावत ने आने का आग्रह किया है।

नितेश सिंह का जन्मदिन केक काटकर धूमधाम से मनाया गया

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा में नितेश सिंह के जन्मदिन केक काटा कर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम उनके ऑफिस पर रखा गया था,जहां पर भारी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी तथा मित्रगण मौजूद थे। आपको बता दे की नितेश सिंह एक ऐसे व्यक्तित्व की धनी समाजसेवी और प्रयास फाउंडेशन के अध्यक्ष के साथ-साथ भाजपा युवा जिला उपाध्यक्ष है। अपना जन्मदिन के शुभ अवसर पर नितेश सिंह ने श्री नित्यानंद आश्रम में पहुंचकर असहाय अनाथ एवं बुजुर्ग जनों के साथ अपनापन सहानुभूति दिखाते हुए केक काटकर और खाना खिला कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर नगरसेवक अनिल भोसले, पत्रकार तारकेश्वर पांडे, मुकेश सिंह, गौरव सिंह, राजू गुप्ता, बबलू पांडे, योगेश पांडे, हरेंद्र यादव, जगदीश सिंह, नरेंद्र यादव, संजय सिंह,अनिकेत पांडे, श्रीमती वैशाली मैडम,अच्छे लाल यादव, अमरजीत पाल, छोटेलाल पाल, हंसराज यादव, इत्यादि ने उपस्थित होकर नितेश सिंह को गुलदस्ता भेंट कर बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किया।

प्रेमिका की मां की मौत का बदला लेने के लिए युवक ने भाभी की चाकू मारकर की हत्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में थाना खुटहन थाना क्षेत्र के ग्राम ख्वाजापुर में एक देवर ने अपनी प्रेमिका की मां की मौत का बदले की आग में अपनी ही भाभी की चाकू से मारकर हत्या कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार सूरत में रहने वाला पवन मौर्या अपनी पत्नी निशा मौर्या और अपने चचेरे भाई आदित्य मौर्या के साथ करीब पांच दिन पहले वहां से ख्वाजापुर गांव में अपने नाना गुरूदीन मौर्या के यहां आया हुआ था। आदित्य कुछ दिनों से गांव में अपने भाई और भाभी के साथ रह रहा था। किसी को नहीं पता था कि युवक बदले की आग में जल रहा है। पुलिस के अनुसार किसी बात को लेकर मृतक महिला के देवर आदित्य मौर्या ने अपनी भाभी निशा को चाकू से मार दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो पता चला कि आदित्य मौर्या की कोई प्रेमिका मुंबई में रहती थी। कुछ महीने पहले आदित्य की भाभी ने उसकी प्रेमिका की मां को कुछ संदिग्ध फोटस शेयर कर दिया था। इस कारण आदित्य मौर्या की प्रेमिका की मां ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया था।

इस घटना के बाद आदित्य ने भाभी के कारण प्रेमिका की मां की मौत का बदला लेने के लिए अपनी भाभी को चाकू मार दिया। चाकू के हमले से निशा की मौत हो गई। इस मामले में थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक निशा मौर्या की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से आला कत्ल चाकू बरामद कर लिया है। फिल्हाल पुलिस आगे की कार्यवाही में जुट गई है।

आईकेएस हेल्थ का वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन

मुंबई। इन्वेंटुरस नॉलेज सॉल्यूशंस लिमिटेड, जो एक टेक्नोलॉजी-संचालित हेल्थकेयर समाधान प्रदाता है, ने आज वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में मजबूत वृद्धि की घोषणा की। मुख्य रूप से अमेरिका में चिकित्सक उद्यमों को सहायता प्रदान करने वाले इसके 'केयर इनेबलमेंट प्लेटफॉर्म' आईकेएस हेल्थ ने 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए दमदार वित्तीय परिणाम पेश किए हैं।

इस अवसर पर सचिन के. गुप्ता, संस्थापक और ग्लोबल सीईओ, आईकेएस हेल्थ ने बताया: ₹हमारी मजबूत तीसरी तिमाही का परफॉर्मेंस, जिसमें 24% रेवेन्यू ग्रोथ हुई है, यह साबित करती है कि हमारा केयर इनेबलमेंट प्लेटफॉर्म यूएस हेल्थकेयर के लिए एक जरूरी सॉल्यूशन है, जो लागत, क्वालिटी और एक्सेस के प्रेशर के एक बड़े संकट का सामना कर रहा है। चूंकि चिकित्सकों के मार्जिन पर दबाव बढ़ रहा है, हम इसे आउटसोर्सिंग और प्लेटफॉर्म अपनाने के लिए एक मजबूत कैटलिस्ट के तौर पर देख रहे हैं। हम अपनी एआई क्षमताओं को उन्नत करके अपने वैल्यू प्रोपोजिशन को और गहरा कर रहे हैं—विशेष रूप से अपने पेशेंट एंगेजमेंट सूट को मल्टी-एजेंट ऑर्केस्ट्रेशन की ओर ले जा रहे हैं।

स्ट्राइडकेयर और वाइटलएमडी जैसे पार्टनर्स के साथ हमारी हाल की जीत यह दिखाती है कि प्रोवाइडर एंटरप्राइज अपनी फाइनेंशियल स्थिरता और क्लिनिकल एफिशिएंसी पक्का करने के लिए हमारे इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म को ज्यादा से ज्यादा चुन रहे हैं। नित्या बालसुब्रमण्यम, ग्रुप सीएफओ, आईकेएस हेल्थ ने बताया: वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही का हमारा प्रदर्शन लाभदायक वृद्धि और अपने ग्राहकों को महत्वपूर्ण मूल्य प्रदान करने की हमारी निरंतर क्षमता को रेखांकित करता है। हमने राजस्व में 24% की वार्षिक वृद्धि और शुद्ध लाभ में 41% की वृद्धि दर्ज की है। मार्जिन में यह विस्तार हमारे सफल ऑपरेटिंग लीवरेज, तकनीक के उपयोग और केंद्रित लागत प्रबंधन का सीधा परिणाम है।

भारत में मैगी के 50 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी

पटना। नेस्ले इंडिया ने भारत में मैगी के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक विशेष उपलब्धि का जश्न मनाते हुए एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस डाक टिकट का अनावरण नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष तिवारी ने भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान की उपस्थिति में किया। यह डाक टिकट मैगी की उस विकास यात्रा को समर्पित है, जिसमें ब्रांड ने समय से आगे रहते हुए एक अत्यंत लोकप्रिय श्रेणी के पर्याय के रूप में अपनी पहचान बनाई और पीढ़ियों से लोगों को एक साथ लाने का कार्य निरंतर किया।

पिछले पाँच दशकों में मैगी ने नूडल्स और मसालों से लेकर सॉस, सूप और रेडी-टू-कुक पसंदीदा उत्पादों तक, कई स्वादिष्ट रूपों में भारतीय घरों में अपनी जगह बनाई है। 50 ईयर्स ऑफ टुगेदरनेस डाक टिकट इन साझा अनुभवों को समर्पित एक श्रद्धांजलि है, जो उस अपनापन, सुकून और जुड़ाव को दर्शाती है। भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कहा, भारत का प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र पिछले कई दशकों में घरेलू उपभोक्ताओं का विश्वास अर्जित करने में उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ा है। इस उल्लेखनीय यात्रा का हिस्सा बनते हुए 50 वर्ष पूरे करने पर मैगी को बधाई देता हूँ। डाक टिकट के शुभारंभ की घोषणा करते हुए, नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष तिवारी ने कहा, भारत में मैगी के लिए यह वास्तव में एक विशेष उपलब्धि है।

रॉयल एनफील्ड हंटर 350 खरीदना हुआ और अधिक किफायती

पटना(उत्तरशक्ति)। रॉयल एनफील्ड हंटर 350 देश में सबसे अधिक किफायती और लोकप्रिय प्रीमियम मोटरसाईकल के सेगमेंट में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रही है। यह केवल 4999 रुपये के शुरूआती डाउन पेमेंट पर उपलब्ध है। हंटर 350 ने युवाओं के लिए प्रीमियम मोटरसाईकल खरीदने का सपना पूरा करना बहुत आसान बना दिया है। पहली बार मोटरसाईकल खरीदने वाले ग्राहक, ऑफिस जाने वाले युवा और युवा प्रोफेशनल 6 साल की अधिकतम भुगतान अवधि के साथ केवल 3655 रुपये प्रति माह की ई.एम.आई पर हंटर 350 खरीद सकते हैं। हंटर 350 बहुत आसान फाईनेंसिंग और किफायती ब्याज दरों के साथ मिल रही है, जिससे मिड-साईज मोटरसाईकल कैटेगरी में प्रवेश करना और अधिक आसान बना दिया है। हंटर 350 पिछले कुछ समय में मिड-साईज सेगमेंट की सबसे पसंदीदा मोटरसाईकल बनकर उभरी है। अपने आधुनिक डिजाईन, डिलेवरी राईड कैरेक्टर और बहुत अधिक किफायती होने के कारण हंटर 350 मोटरसाईकल प्रेमियों की नई पीढ़ियों को रॉयल एनफील्ड परिवार में शामिल कर रही है।

कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया महादृष्टि

पालघर(उत्तरशक्ति)। कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (कोटक लाइफ) ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में अपनी प्रमुख कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (उरफ) पहल महादृष्टि के लॉन्च की घोषणा की है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पालघर जिले को मोतियाबिंद मुक्त बनाना और आँखों की उन बीमारियों को खत्म करना है जिनसे होने वाले अंधेपन को रोका जा सकता है। इसके लिए सभी लोगों को बिना किसी खर्च के अच्छी क्वालिटी की आंखों की देखभाल की सुविधा दी जाएगी। महादृष्टि के तहत आंखों की पूरी देखभाल की जाएगी, जन्म से लेकर मृत्यु के बाद आंखों के दान तक। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, कोटक लाइफ 50,000 से ज्यादा जरूरतमंद लोगों की आँखों की देखभाल में मदद करेगा।

इस लॉन्च के मौके पर कोटक लाइफ के मैनेजिंग डायरेक्टर महेश बालासुब्रमण्यन ने कहा कि, कोटक लाइफ में हमारा मानना है कि हेल्थकेयर सभी की साझा जिम्मेदारी है। महादृष्टि समाज के लिए कुछ सार्थक योगदान देने की हमारी सोच को दशार्ता है। आंखों की जांच से लेकर सर्जरी और यहां तक कि आंखों के दान तक, पूरी तरह से देखभाल करके हम लोगों की आंखों की रोशनी लौटाने और उनकी जिंदगी को बेहतर बनाने की उम्मीद करते हैं। अपने पहले चरण में महादृष्टि दो ब्लॉक पर ध्यान केंद्रित करेगा और आगे चलकर इसे पूरे पालघर जिले में फैलाने की योजना है। ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने के लिए, तीन मोबाइल मेडिकल वैन (टटश) गांवों में जाकर सीधे लोगों की आंखों की जांच और स्क्रीनिंग करेंगी। ये सेवाएं ग्राम पंचायतों, पब्लिक हेल्थ सेंटर्स, जिला परिषद स्कूलों और आश्रम स्कूलों के माध्यम से दी जाएंगी।

कोटक लाइफ ने आंखों की देखभाल के लिए 5 विशेषज्ञ साझेदारों के साथ मिलकर काम किया है - डॉ. एमएल धवले मेमोरियल ट्रस्ट, ऋषभ फाउंडेशन, विजन स्प्रिंग फाउंडेशन, प्रसाद चिकित्सा और मोहन फाउंडेशन। इस साझेदारी से आंखों की पूरी देखभाल की व्यवस्था बनेगी, जिसमें प्राथमिक जांच, चश्मों का वितरण और गंभीर मामलों में एडवांस सर्जरी जैसी शुरू से अंत तक की सुविधाएं शामिल होंगी।

मोटोरोला ने शुरू किया फुटबॉल इज कॉलिंग कैंपेन

मुंबई। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक स्तर पर अग्रणी और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने आज अपने ग्लोबल कैंपेन फुटबॉल इज कॉलिंग के लॉन्च की घोषणा की। यह कैंपेन फीफा वर्ल्ड कप 2026ढ्ढ के आधिकारिक स्मार्टफोन पार्टनर के रूप में शुरू किया गया है। यह कैंपेन दुनिया भर के अरबों फुटबॉल फैंस से जुड़ने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

इसमें फुटबॉल के जुनून, भावनाओं और फैनडम की पहचान का जश्न मनाया गया है। मोटोरोला स्मार्टफोन्स के जरिए फैंस अपने फीफा वर्ल्ड कपढ्ढ के पलों को कैद कर सकते हैं, उन्हें साझा कर सकते हैं और बार-बार जी सकते हैं। यह कैंपेन दुनिया भर के अरबों फुटबॉल फैंस से जुड़ने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसमें फुटबॉल के जुनून, भावनाओं और फैनडम की पहचान का जश्न मनाया गया है। मोटोरोला स्मार्टफोन्स के जरिए फैंस अपने फीफा वर्ल्ड कपढ्ढ के पलों को कैद कर सकते हैं, उन्हें साझा कर सकते हैं और बार-बार जी सकते हैं। हर चार साल में फीफा वर्ल्ड कप पूरी दुनिया को एक साथ जोड़ देता है।

लोगों के रूटीन बदल जाते हैं, देर रात तक जश्न चलते हैं और फुटबॉल का जुनून सीमाओं से परे फैल जाता है। पिछले टूनार्मेंट में सैकड़ों मिलियन पोस्ट्स और अरबों सोशल इंटरैक्शन्स देखने को मिले, जो इस खेल की वैश्विक ताकत को दशार्ते हैं।

भारत में फुटबॉल फैंस हर गोल, हर रिएक्शन और हर मुकाबले को पूरी शिद्दत से जीते हैं—चाहे वह वॉच पार्टी हो, सोशल मीडिया हो या शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म। यह सब उनके स्मार्टफोन पर होता है। फुटबॉल इज कॉलिंग के साथ मोटोरोला सिर्फ खेल का स्पॉन्सर नहीं है, बल्कि—एक आम इंसान को सच्चा फुटबॉल फैन बनाने के सफर में, हर फैन की यात्रा का हिस्सा बन रहा है। इस कैंपेन का मुख्य आकर्षण है एक हाई-एनर्जी हीरो फिल्म है, जिसे टं३३ी१ + एल्ली१८ के साथ मिलकर तैयार किया गया है। यह फिल्म फुटबॉल फैनडम की असली एनर्जी को दशार्ती है। इसमें टिकट मिलने की खुशी से लेकर साथी फैंस के साथ यादगार पलों को सेलिब्रेट करने तक, एक फैन की फीफा वर्ल्ड कप यात्रा दिखाई गई है।

इस पूरी यात्रा में मोटोरोला के डिवाइसेज अहम भूमिका निभाते हैं। ये फैंस को भावनाओं को कैद करने, अपनी अभिव्यक्ति को और बेहतर बनाने और टूनार्मेंट की जोशीली ऊर्जा को हर जगह साथ ले जाने में मदद करते हैं। यह फिल्म इस बात की याद दिलाती है कि जब फुटबॉल बुलाता है, तो फैंस हमेशा जवाब देते हैं। भारत में फुटबॉल सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक उत्सव और सांस्कृतिक अनुभव है। फैंस स्टेडियम, सड़कों और स्क्रीन—हर जगह इस जुनून को जीते हैं और हर गोल, हर खुशी और हर मुकाबले को ऑनलाइन साझा करते हैं। भारत के प्रमुख स्मार्टफोन ब्रांड्स में से एक होने के नाते, मोटोरोला फैंस के साथ खड़ा है—उन्हें वर्ल्ड कप के पलों को बेहतरीन क्लैरिटी और तेज स्पीड के साथ कैद करने और शेयर करने की ताकत देता है। मोटोरोला इस फुटबॉल संस्कृति को और मजबूत करते हुए फैंस को हर पल यादगार बनाने में सक्षम बना रहा है।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर कलेक्ट्रेट में समीक्षा बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी मंडल के आयुक्त एवं रोल प्रेक्षक एस. राजलिंगम की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ०दिनेश चन्द्र उपस्थित रहे। आयुक्त/रोल प्रेक्षक के जनपद आगमन पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्रम भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए आयुक्त/रोल प्रेक्षक श्री राजलिंगम ने बताया कि माननीय भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में मतदाता सूची का ड्राफ्ट पब्लिकेशन किया जा चुका है। आलेख्य मतदाता सूची में पाई जा रही त्रुटियों के संबंध में दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जा रही हैं। जिन मामलों की मैपिंग अभी नहीं हो पाई है, उनके लिए नोटिस निर्गत कर नियत तिथि पर सुनवाई कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में पाई जा रही लॉजिकल डिस्क्रिपेंसीज को दुरुस्त किया जा रहा है, ताकि एक पूर्णतः त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार की जा सके। प्राप्त दावों और आपत्तियों पर भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुसार सत्यापन एवं नियमानुसार जांच के उपरांत ही अग्रेतर कार्यवाही की जा रही है। इस कार्य में उन्होंने राजनैतिक दलों से सहयोग की अपेक्षा की। बैठक के दौरान राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने अवगत कराया कि जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी के नेतृत्व में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान प्रशासन द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने प्रेक्षक को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में समाजवादी पार्टी से जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, भाजपा से यादवेन्द्र प्रताप सिंह, कांग्रेस से उपाध्यक्ष राकेश सिंह, सीपीआईएम से के.एस. रघुवंशी सहित अन्य प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। इसके अलावा मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, उप जिला निर्वाचन अधिकारी परमानंद झा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह, ईआरओ सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

निवेशित रहने के लिए एक संरचित तरीका मुहैया करवाना चाहता है मार्केट लीडरशिप

मुंबई। मार्केट लीडरशिप, ब्याज दर की साइकिल और वैश्विक अनिश्चितता में लगातार बदलावों से चिह्नित वातावरण में फंड इंवेस्टमेंट को पूर्वानुमान या प्रतिक्रियाशील निर्णय करने पर भरोसा किए बिना विविधतापूर्ण और निवेशित रहने के लिए एक संरचित तरीका मुहैया करवाना चाहता है।

डीएसपी मल्टी ऐसेट ओमनी फंड ऑफ फंड्स बाजार के संकेतों के आधार पर गतिशील रूप से समायोजित आवंटन के साथ इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम, ऋण-उन्मुख स्कीम और सोने और चांदी ईटीएफ जैसी कमोडीटी-ओरिएंटेड स्कीम में इंवेस्ट करता है। सभी ऐसेट वर्गों में इंवेस्टमेंट करते हुए फंड का उद्देश्य रिटर्न के सिंगल सोर्स पर निर्भर करने के बजाए जोखिम प्रबंधन के साथ विकास क्षमता को संतुलित करना है। फंड की एक प्रमुख विशेषता कई एएमसी में फंड और ईटीएफ में इंवेस्ट करने का इसका लचीलापन है, जिससे पोर्टफोलियो को समय के साथ मार्केट लीडरशिप और सापेक्ष अवसरों में बदलाव के रूप में अनुकूल बनाने की अनुमति मिलती है। यह डीएसपी नेत्रा की ऐसेट आवंटन रणनीतियों के साथ-साथ उद्योग में सर्वश्रेष्ठ इक्विटी फंड प्रबंधकों की स्टॉक पिकिंग क्षमता का उपयोग करके ऐसा करता है। ऐसेट वर्गों के बीच दोबारा संतुलन फंड संरचना के भीतर किया जाता है, जिससे इंवेस्टर्स स्तर पर लगातार खरीद-बिक्री के निर्णयों से पैदा होने वाले टैक्स प्रभाव को कम करने में मदद मिलती है। फंड को उन इंवेस्टर्स के लिए एक सिंगल, पेशेवर रूप से प्रबंधित समाधान के रूप में डिजाइन किया गया है जो सक्रिय रूप से ऐसेट आवंटन का प्रबंधन नहीं करना चाहते हैं या खुद अल्पकालिक बाजार की हलचलों का जवाब नहीं देना चाहते हैं। बढ़ी हुई अस्थिरता की अवधि के दौरान, फंड में इक्विटी एक्सपोजर को 25% तक कम करने की क्षमता होती है, जो नकारात्मक प्रबंधन का एक अतिरिक्त स्तर मुहैया करवाती है। फंड आम तौर पर इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम में 25 से 75%, ऋण-उन्मुख स्कीम में 15-50% और सोने और चांदी के ईटीएफ में 10-50% के बीच इंवेस्ट करेगा, जिसमें मौजूदा बाजार स्थितियों के आधार पर आवंटन समायोजित किया जाएगा। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य आर्थिक और बाजार साइकिल में अधिक लचीला पोर्टफोलियो बनाना है।

नूरजहां गर्ल्स व शाहीन किड्स प्वाइंट में वार्षिक उत्सव का आयोजन

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बच्चों ने मोहा मन

-डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नूरजहां गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल एवं शाहीन किड्स प्वाइंट (इडेन पब्लिक स्कूल) में गुरुवार को वार्षिक उत्सव का भव्य एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शाहीन कौसर, विशिष्ट अतिथि डॉ०नाजिया मैनन तथा नूरजहां गर्ल्स इंटर कॉलेज एवं इडेन पब्लिक स्कूल के प्रबंधक/संस्थापक परवेज आलम सिद्दीकी (भुट्टो) एवं प्रधानाचार्य शेख नजरुल इस्लाम द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।

इस अवसर पर नूरजहां गर्ल्स स्कूल की प्रधानाचार्या मदीना बानो, शाहीन किड्स प्वाइंट की इंचार्ज उम्मे जरीन, विद्यालय की सभी अध्यापिकाएं एवं हजारों की संख्या में महिला अभिभावक उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत, नृत्य-नाटक सहित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। भारत की अखंडता और एकता को दशार्ते हुए विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा में छोटे-छोटे बच्चों की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

विद्यालय के प्रबंधक एवं संस्थापक परवेज आलम सिद्दीकी (भुट्टो) ने अपने संबोधन में कहा कि वार्षिक उत्सव विद्यार्थियों की छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने और मंच प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बच्चों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अध्यापिकाओं एवं अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। समूचा वातावरण उत्साह, उल्लास और प्रेरणा से ओत-प्रोत रहा।

आयुक्त वाराणसी मंडल ने कलेक्ट्रेट का किया औचक निरीक्षण

लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण व अभिलेखों के समुचित रख-रखाव के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी मंडल के आयुक्त एस. राजलिंगम ने गुरुवार को जिलाधिकारी डॉ०दिनेश चन्द्र की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों एवं पटलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने प्रशासनिक व्यवस्था, अभिलेखों के रख-रखाव एवं न्यायिक कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अधिकारी के पटल पर आर्थिक सहायता रजिस्टर, गार्ड फाइल, असलहा वरासत से संबंधित अभिलेख एवं एलबीसी पटल का विस्तृत अवलोकन किया गया। इसके पश्चात एआरके कक्ष का निरीक्षण करते हुए सबसे पुराने अभिलेखों व फाइलों, बिडिंग रजिस्टर तथा मूवमेंट रजिस्टर की जांच की गई। आयुक्त ने अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके उपरांत आयुक्त एस.राजलिंगम ने मुख्य राजस्व अधिकारी के न्यायालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लंबित एवं सबसे पुराने वादों से संबंधित फाइलों का अवलोकन करते हुए उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। विशेष रूप से धारा 34 से संबंधित मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ० कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी (भू-राजस्व) अजय अंबष्ट, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानन्द झा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह, उप जिलाधिकारी सदर संतबीर सिंह सहित अन्य

फाइंडेबिलिटी साइंसेज और पैंटालिऑन ने स्टोमाटा लैब्स का शुभारंभ किया

मुंबई। फाइंडेबिलिटी साइंसेज ने आज पैंटालिऑन के साथ एक रणनीतिक साझेदारी के तहत स्टोमाटा लैब्स के शुभारंभ की घोषणा की। पैंटालिऑन कई देशों में गहरी परिचालन विरासत के साथ दुनिया के अग्रणी चीनी उत्पादकों में से एक है। स्टोमाटा लैब्स एक समर्पित कृत्रिम बुद्धिमत्ता नवाचार डिवीजन है, जिसे चीनी उद्योग की दीर्घकालिक और जटिल चुनौतियों का समाधान करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। कृषि-औद्योगिक निर्णय-निर्माण के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए उन्नत अकसमाधानों के माध्यम से, स्टोमाटा लैब्स उत्पादकों को विभिन्न साइलो में फैले डेटा को एकीकृत करने, तेज और अधिक सूचित निर्णय लेने, उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा बड़े पैमाने पर मिल संचालन के प्रदर्शन को प्रभावी रूप से अनुकूलित करने में सक्षम बनाता है।

फाइंडेबिलिटी साइंसेज के संस्थापक एवं सीईओ आनंद महुरकर ने कहा, स्टोमाटा लैब्स कृषि और औद्योगिक इंटेलिजेंस में संभावनाओं की सीमाओं को नए सिरे से परिभाषित करने की दिशा में अग्रसर है। यह प्लेटफॉर्म असंबद्ध डेटा, निर्णय लेने में होने वाली देरी और अनिश्चित परिणामों जैसी जमीनी चुनौतियों का समाधान करता है, जिससे उत्पादक कच्चे संकेतों को सटीक और क्रियान्वयन योग्य अंतर्दृष्टि में बदल सकें। हमारे ग्राहक पहले ही ठोस और मापनीय लाभ देख रहे हैं—जिसमें 15-25 प्रतिशत तक दक्षता में वृद्धि, छिपी हुई उत्पादन हानियों की रोकथाम, बेहतर उपज प्रदर्शन और बड़े पैमाने के संचालन में प्रतिवर्ष दसियों मिलियन डॉलर तक की संभावित मूल्य-सृजन शामिल है। यह परिचालन उत्कृष्टता, सततता और लाभप्रदता से जुड़ा वास्तविक और प्रमाणित आरओआई है। पैंटालिऑन के चीफ डिजिटल एवं एनालिटिक्स ऑफिसर और स्टोमाटा लैब्स के रणनीतिक नेता गिलर्मो मेदिना ने कहा, लंबे समय से चीनी मूल्य श्रृंखला उस समयोचित और भविष्यवाणी-आधारित स्पष्टता से वंचित रही है, जो आधुनिक एआई प्रदान कर सकता है। प्रारंभिक फसल संकेतों से लेकर फैक्ट्री थ्रूपुट तक, चीनी उत्पादन के मूल में एआई को स्थापित कर हम बिखरी हुई जानकारी को क्रियाशील इंटेलिजेंस में रूपांतरित कर रहे हैं। इससे उच्च उपज, अधिक सुचारु संयंत्र संचालन और मजबूत व्यावसायिक प्रदर्शन संभव हो रहा है। यह व्यावहारिक एआई है, जो आज ही खेत, फैक्ट्री और एंटरप्राइज-स्तर के निर्णयों में ठोस और मापनीय मूल्य प्रदान कर रही है।

प्रेमिका की मां की मौत का बदला लेने के लिए युवक ने भाभी की चाकू मारकर हत्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । जिले में थाना खुटहन थाना क्षेत्र के ग्राम खाजापुर में एक देवर ने अपनी प्रेमिका की मां की मौत का बदला के आग में अपनी ही भाभी की चाकू से मारकर हत्या कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार सूरत में रहने वाला पवन मौर्या अपनी पत्नी निशा मौर्या और अपने चचेरे भाई आदित्य मौर्या के साथ करीब पांच दिन पहले वहां से खाजापुर गांव में अपने नाना गुरुदीन मौर्या के यहां आया हुआ था। आदित्य कुछ दिनों से गांव में अपने भाई और भाभी के साथ रह रहा था। किसी को नहीं पता था कि युवक बदले की आग में जल रहा है। पुलिस के अनुसार किसी बात को लेकर मृतक महिला के देवर आदित्य मौर्या ने अपनी भाभी निशा को चाकू से मार दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो पता चला कि आदित्य मौर्या की प्रेमिका मुंबई में रहती थी। कुछ महीने पहले आदित्य की भाभी ने उसकी प्रेमिका की मां को कुछ संदिग्ध फोटस शेयर कर दिया था। इस कारण आदित्य मौर्या की प्रेमिका की मां ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया था। इस घटना के बाद आदित्य ने भाभी के कारण प्रेमिका की मां की मौत का बदला लेने के लिए अपनी भाभी को चाकू मार दिया। चाकू के हमले से निशा की मौत हो गई। इस मामले में थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक निशा मौर्या की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से आला कत्ल चाकू बरामद कर लिया है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्यवाही में जुट गई है।

ब्रिटानिया ट्रीट क्रीम वेफर्स ने मिलकर लॉन्च किए स्पेशल एडिशन पैक्स

मुंबई। निंजाओं की दुनिया में हर छोटी चाल और सही समय पर बनाया गया 'हैंड साइन' नायक की पहचान होती है। इसी साहस और एकाग्रता के विचार को आगे बढ़ाते हुए, ब्रिटानिया ट्रीट क्रीम वेफर्स Sony YAY! के साथ मिलकर ग्लोबल एनीमे आइकन नारुतो (Naruto) के साथ साझेदारी की है। इस सहयोग के तहत नारुतो यूनिवर्स से प्रेरित 'स्पेशल एडिशन पैक्स' लॉन्च किए गए हैं। इसके साथ ही ब्रिटानिया भारत का पहला एफएमसीजी ब्रांड है, जिसने इस मशहूर फ्रैंचाइज के साथ हाथ मिलाया है। नारुतो एक वैश्विक सांस्कृतिक प्रतीक है, जो नारुतो उजुमाकी की यात्रा को दर्शाता है—एक अडिग जज्बे वाला किरदार, जो अपने गांव का नेता यानी होकेज बनने का सपना देखता है।

प्रधानमंत्री के क्षेत्र में लोकतंत्र पर हमला, काशी में वोट जिहाद का सनसनीखेज खुलासा!

* 451 बूथों की जांच में 9000 डुप्लीकेट नाम मिलने का दावा
* मंत्री रविंद्र जायसवाल बोले, लोकतंत्र को हाईजैक करने की रची गई साजिश

-सुरेश गांधी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र काशी में मतदाता सूची को लेकर बड़ा सियासी विस्फोट हुआ है। शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र में कराए गए मतदाता सूची के गहन परीक्षण में करीब 9000 मतदाताओं के नाम एक से अधिक बूथों पर दर्ज पाए जाने का सनसनीखेज दावा सामने आया है। इस मामले को लेकर स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री तथा वाराणसी उत्तरी विधानसभा के पूर्व विधायक रविंद्र जायसवाल ने सीधे तौर पर इसे वोट जिहाद की संगठित साजिश करार देते हुए चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मंत्री ने गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येंद्र कुमार को संदिग्ध मतदाताओं की सूची सौंपते हुए आधार आधारित सत्यापन और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग कर प्रशासनिक महकमे में हलचल मचा दी है।

451 बूथों की जांच में खुली गड़बड़ियों की परतें

5 फरवरी को शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र के 388 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 451 बूथों पर मतदाता सूची को लेकर स्वतः परीक्षण के दौरान यह मामला सामने आने का दावा किया गया। जांच में कथित तौर पर हजारों ऐसे मतदाताओं के नाम सामने आए, जो दो से पांच अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज पाए गए। मंत्री रविंद्र जायसवाल ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें विवाह के वर्षों बाद भी महिलाओं का नाम मायके और ससुराल दोनों स्थानों पर वोटर सूची में बना हुआ है। उन्होंने कहा कि कई महिलाएं 30 से 40 वर्ष की आयु पार कर चुकी हैं, लेकिन अभी भी पिता के नाम से मतदाता सूची में दर्ज हैं, जो गंभीर चुनावी अनियमितता की ओर संकेत करता है।

प्रधानमंत्री के क्षेत्र में लोकतंत्र पर हमला

सर्किट हाउस में मीडिया से मुखातिब होते हुए मंत्री जायसवाल ने बेहद तीखे शब्दों में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में इस तरह की गड़बड़ी सामने आना लोकतंत्र को कमजोर करने की सुनियोजित साजिश है। यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की खतरनाक कोशिश हो सकती है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी के बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) द्वारा फाइनल सूची जारी होने के बाद कराई गई विशेष जांच में यह कथित घोटाला सामने आया।

गौरतलब है कि वाराणसी जिले में विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत 6 जनवरी को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की गई थी, जिसमें बड़े स्तर पर नाम हटाए गए थे। इस अभियान में जिले में 5.73 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, जिनमें मृतक, स्थानांतरित, अनुपस्थित और डुप्लीकेट मतदाता शामिल बताए गए थे। सबसे ज्यादा प्रभाव वाराणसी उत्तरी और कैंट विधानसभा क्षेत्रों में देखने को मिला, जहां क्रमशः 1.11 लाख और 1.12 लाख नाम काटे गए थे। कुल मिलाकर जिले में पहले मौजूद 31.53 लाख मतदाताओं में से 18 प्रतिशत से अधिक नाम हटाए गए थे। इसके बावजूद अब 9000 नए संदिग्ध मतदाताओं के सामने आने के दावे ने चुनावी व्यवस्था की पारदर्शिता पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

मंत्री रविंद्र जायसवाल ने प्रशासन से मांग की है कि सभी संदिग्ध नामों का आधार कार्ड से लिंक कर सत्यापन कराया जाए और यदि किसी प्रकार की धांधली सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की रीढ़ होती है। इसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पूरे चुनावी तंत्र को प्रभावित कर सकती है। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए।

काशी जैसे राष्ट्रीय महत्व के संसदीय क्षेत्र में मतदाता सूची को लेकर उठे इस विवाद ने सियासी माहौल को गरमा दिया है। विपक्ष और चुनावी एजेंसियों की प्रतिक्रिया अब इस मुद्दे की दिशा तय करेगी, लेकिन इतना तय है कि इस खुलासे ने एक बार मतदाता सूची की विश्वसनीयता और चुनावी शुचिता पर बहस तेज होना तय माना जा रहा है। अब सबकी नजर जिला निर्वाचन प्रशासन की जांच और संभावित कार्रवाई पर टिकी हुई है, क्योंकि यह मामला केवल काशी ही नहीं बल्कि पूरे चुनावी सिस्टम की पारदर्शिता से जुड़ा माना जा रहा है।

गुरु नानक डिग्री कॉलेज ने न्यू स्टार टीम को हराकर जीती ओवर आर्म क्रिकेट प्रतियोगिता

मुंबई (उत्तर शक्ति)। 2 फरवरी 2026, सोमवार को चेंबूर ग्राउंड, मुंबई में आयोजित ओवर आर्म क्रिकेट प्रतियोगिता में गुरु नानक डिग्री कॉलेज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यू स्टार टीम को हराकर चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया।

मैच के दौरान गुरु नानक डिग्री कॉलेज के खिलाड़ियों ने हर विभाग में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और ट्रॉफी कॉलेज के नाम की। टीम की जीत में सभी खिलाड़ियों का अहम योगदान रहा।

टॉप परफॉर्मर्स

बल्लेबाजीः अभय यादव, गगन सांखला, अजय आखरिया

गेंदबाजीः अनिश गुप्ता, आर्यन सिंह, राधेश्याम गुप्ता, लक्ष्मण सिंघाड़िया

फील्डिंगः अवनीश शर्मा ने शानदार कैच पकड़कर सभी का ध्यान खींचा।

प्लेइंग इलेवनः

अभय यादव (विकेटकीपर), हिमांशु थापा (कप्तान), अनिश गुप्ता, रवि शंकर महतो, अवनीश शर्मा, अजय आखरिया, गगन सांखला, लक्ष्मण सिंघाड़िया, राधेश्याम गुप्ता, आर्यन सिंह, वेद सबत।

टीम की इस सफलता के पीछे कॉलेज प्रशासन और स्पोर्ट्स कमेटी का पूरा सहयोग रहा। प्रिंसिपल मैम, वाइस प्रिंसिपल रामराज सर, जोशी सर, स्पोर्ट्स इंचार्ज अरुण सर, पवन सर तथा स्पोर्ट्स कमेटी के सभी स्टाफ और शिक्षकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

स्पोर्ट्स कमेटी की ओर से सभी खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की गई, वहीं सुजीत सिन्हा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने टीम को जीत की बधाई दी।

कांदिवली में बालकोत्सव 2025-2026 का भव्य आयोजन सम्पन्न

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग द्वारा आर/दक्षिण विभाग ,कांदिवली के एम.पी.एस. बजाज रोड स्कूल में बालकोत्सव, लोकनृत्य प्रतियोगिता 2025-2026 का भव्य आयोजन किया गया। बच्चों में छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाले इस उत्सव में विद्यार्थियों ने अपनी रुचि की कलाओं का प्रदर्शन कर उपस्थित अभिभावकों एवं नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया। इस प्रकार की गतिविधियों से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहन मिलता है। इस बालकोत्सव कार्यक्रम में उप शिक्षणाधिकारी (पश्चिम उपनगर) दीपिका पाटील,ममता राव, उप शिक्षणाधिकारी (लोकसहभाग कक्ष) मुख्तार शहा, (अधीक्षक) तौहीद शेख,(कनिष्ठ पर्यवेक्षक) राजेश शिंदे, (प्रशासकिय अधिकारी)अशफाक शाह, विभाग निरीक्षक राजेश बुजड,तथा विभाग निरीक्षक मीना कवळे उपस्थित रहे। विभिन्न मनपा स्कूलों के बच्चों ने सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2026 का आयोजन

मुंबई। द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट द्वारा 25 से 27 फरवरी 2026 को वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2026 का आयोजन किया जाएगा। हरऊ 2026 का यह रजत जयंती संस्करण है। इसकी जानकारी देने हेतु आयोजित बैठक में भारत की जलवायु कार्रवाई, सतत विकास और वैश्विक सहयोग की प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई।

पिछले 25 सालों में हरऊ एक बड़ा वैश्विक मंच बन गया है। यह पर्यावरण के स्थायित्व को लेकर होने वाली बातचीत और नीतियों को आकार देता है। TERI इस समिट के जरिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, उद्योग, फाइनेंस और सिविल सोसाइटी को एक साथ लाया है। इससे जलवायु कार्रवाई, ऊर्जा बदलाव और सतत विकास के समाधानों को बढ़ावा मिला है। WSDS ने ग्लोबल साउथ की आवाज का प्रसार किया है और यह दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देता है। इससे बातचीत को असल साझेदारियों और परिणामों में बदला गया है। WSDS 2026 में TERI 25 साल की अपनी प्रतिबद्धता, सहयोग और जलवायु कार्रवाई का जश्न मनाएगा। भारत इस साल BRICS समिट की मेजबानी कर रहा है। BRICS में क्लाइमेट एक्शन, ग्रीन फाइनेंस, ऊर्जा बदलाव और संवहनीय विकास को प्राथमिकता दी जाती है। WSDS इन BRICS प्राथमिकताओं को पूरा सहयोग देगा। विशेष संबोधन में, सुश्री लीना नंदन, TERI की डिस्टिंग्विश्ड फेलो और पूर्व सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय(MoEFCC), भारत सरकार ने बात की। उन्होंने कहा कि प्रभावी पर्यावरण शासन के लिए नीतियों का एक जैसा होना और संस्थाओं को मजबूत करना बहुत जरूरी है। सुश्री नंदन ने बताया, 25 साल पहले TERI ने सस्टेनेबिलिटी का जो रास्ता बनाया, उसकी गूंज पूरी दुनिया में है। हरऊ का सिल्वर जुबली संस्करण दूरदर्शी अवधारणाओं, रोचक कहानियों और सबसे प्रमुख एक बेहतर कल की उम्मीद लेकर आएगा। यह दोबारा इस बात पर जोर देगा कि अच्छे शक्तिशाली विचारों की ताकत को यदि जुनूनी लोगों की मेहनत से मिला दिया जाए, तो यह बदलाव ला सकती है और लाएगी।समिट की झलक पेश करते हुए, डॉ. शैली केडिया, क्यूरेटर, WSDS और डायरेक्टर, TERI ने सिल्वर जुबली संस्करण के मुख्य थीम्स, फोकस क्षेत्रों और अपेक्षित परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक विज्ञान-नीति मंच के रूप में हरऊ का महत्व बताया, जो सबूत-आधारित संवाद और बहु-हितधारक भागीदारी के लिए जाना जाता है।

शिवमय होगी काशी, विश्वनाथ धाम में महाशिवरात्रि की दिव्य तैयारियां पूर्ण

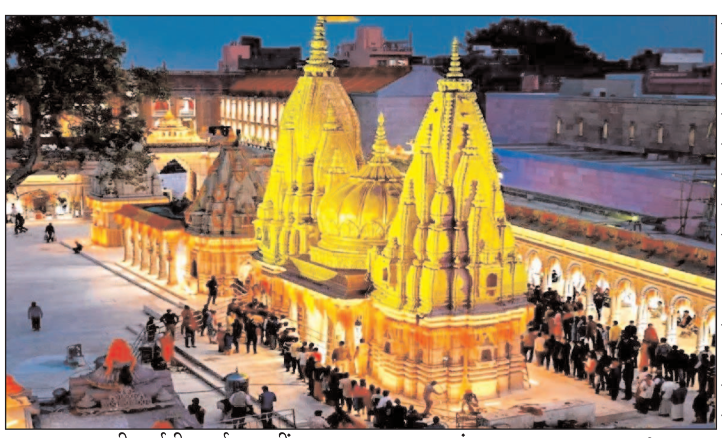

वाराणसी। देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी में महाशिवरात्रि का पावन पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि आस्था, आध्यात्मिकता और सनातन परंपरा का विराट उत्सव बनकर सामने आता है। विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ धाम में इस वर्ष महाशिवरात्रि पर्व को लेकर मंदिर प्रशासन द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं, ताकि देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित दर्शन का लाभ मिल सके। इस अवसर पर बाबा विश्वनाथ की आरतियाँ पारंपरिक वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न होंगी, जिनकी समय-सारिणी भी जारी कर दी गई है। मतलब साफ है महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर काशी एक बार फिर शिवमय होने को तैयार है, जहाँ हर हर महादेव के जयघोष के बीच श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

महाशिवरात्रि पर्व के दौरान श्री काशी विश्वनाथ धाम में उमड़ने वाली अपार श्रद्धालु भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 14 फरवरी से 17 फरवरी तक धाम परिसर में किसी भी प्रकार का वीआईपी दर्शन नहीं कराया जाएगा। इसके साथ ही बाबा विश्वनाथ का स्पर्श दर्शन भी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इस अवधि में श्रद्धालुओं को केवल झांकी दर्शन की ही सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मंदिर प्रशासन का मानना है कि महाशिवरात्रि के अवसर पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु काशी पहुंचते हैं। ऐसे में सभी भक्तों को समान रूप से सुगम और सुरक्षित दर्शन उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है ताकि भीड़ नियंत्रण के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मंगला आरती से होगा शिव जागरण का शुभारंभ

महाशिवरात्रि के पावन दिन की शुरूआत प्रातःकालीन मंगला आरती से होगी। इसके अंतर्गत प्रातः 02:15 बजे बाबा का पूजन आरम्भ होगा और 03:15 बजे मंगला आरती संपन्न होगी। इसके पश्चात 03:30 बजे मंदिर श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु खोल दिया जाएगा। मान्यता है कि मंगला आरती के समय बाबा विश्वनाथ के दर्शन से जीवन में सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।

मध्याह्न भोग आरती : भक्त और भगवान का मधुर मिलन

मध्याह्न भोग आरती का आयोजन प्रातः 11:40 बजे से प्रारम्भ होकर 12:20 बजे तक सम्पन्न होगा। इस दौरान बाबा को विशेष भोग अर्पित किया जाएगा, जो सनातन परंपरा में पालन और पोषण के प्रतीक स्वरूप माना जाता है।

चारों प्रहर की आरतियाँ : शिव तत्व की दिव्य अनुभूति

महाशिवरात्रि की विशेषता चारों प्रहर में होने वाली आरतियाँ हैं, जो पूरी रात्रि शिवमय वातावरण का निर्माण करती हैं।

प्रथम प्रहर आरती : रात्रि 09:30 बजे शंखनाद के साथ पूजा की तैयारी आरम्भ होगी। 10:00 बजे से आरती प्रारम्भ होकर रात्रि 12:30 बजे तक चलेगी। इस दौरान श्रद्धालुओं को झाँकी दर्शन का लाभ निरंतर मिलता रहेगा।

द्वितीय प्रहर आरती : रात्रि 01:30 बजे से 02:30 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें भक्तों को सतत झाँकी दर्शन का अवसर मिलेगा।

तृतीय प्रहर आरती : प्रातः 03:30 बजे से 04:30 बजे तक संपन्न होगी। यह समय शिव साधना के दृष्टिकोण से अत्यंत शुभ माना जाता है।

चतुर्थ प्रहर आरती : प्रातः 05:00 बजे से 06:15 बजे तक आयोजित होगी, जो शिव आराधना की पूर्णता का प्रतीक मानी जाती है।

धाम परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, कई वस्तुएँ प्रतिबंधित

महाशिवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की अत्यधिक संख्या को देखते हुए धाम परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पेन, मोबाइल फोन, बैग, डिजिटल या स्मार्ट घड़ी, तम्बाकू, पॉलिथीन, प्लास्टिक की पानी की बोतल सहित अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं को परिसर में लाने की अनुमति नहीं होगी। इन वस्तुओं के साथ आने वाले श्रद्धालुओं को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील

मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अनुशासन एवं शांति बनाए रखें। महाशिवरात्रि केवल पर्व नहीं, बल्कि शिव तत्व से जुड़ने का आध्यात्मिक अवसर है। भक्तों के सहयोग से ही यह आयोजन भव्य, दिव्य और सफल बन सकेगा।

इंद्रिया, आदित्य बिरला ज्वेलरी ने प्रसिद्ध डिजाइनर गौरव गुप्ता के साथ पेरिस कॉटूर वीक में अपने शानदार डिजाइनों का प्रदर्शन किया

मुंबई। आदित्य बिरला ज्वेलरी ब्रांड इंद्रिया ने प्रतिष्ठित डिजाइनर गौरव गुप्ता के साथ आधिकारिक ज्वेलरी पार्टनर के रूप में सहयोग करते हुए पेरिस कॉटूर वीक में पहली बार अपने कलेक्शन को प्रदर्शित किया। बारीक कारीगरी और उत्कृष्ट डिजाइन के लिए पहचानी जाने वाली इंद्रिया ने इस साझेदारी के जरिए भारतीय आभूषण कला को दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फैशन मंचों में से एक तक पहुंचाया। इस सीजन, गौरव गुप्ता का कॉटूर द्वैत की अवधारणा से प्रेरित है, ऐसे तत्व जो साथ-साथ अस्तित्व में रहते हैं और एक-दूसरे को पूर्ण करते हैं। यह सोच अर्धनारीश्वर की अवधारणा में निहित है, जहां पुरुष और स्त्री तत्वों का दिव्य मिलन रचा गया है। यह कलेक्शन सृष्टि को आकार देने वाले विरोधाभासों को दशार्ता है, जैसे संरचना और प्रवाह, रूप और अरूप, शक्ति और सौम्यता।

भारत की समृद्ध सौंदर्य परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित इंद्रिया के डिजाइन, गौरव गुप्ता की सटीक, प्रकाशमय और मूर्तिकला-सरीखी कॉटूर भाषा को आगे बढ़ाते हैं। ये आभूषण परिधानों की प्रवाहमय और संरचित वास्तुकला को और निखारते हैं। आभूषण रोशनी के ऐसे बिंदु बन जाते हैं, जो पहनने वाले के साथ गतिमान रहते हैं और शरीर, कारीगरी व कॉटूर के बीच एक सुंदर संबंध स्थापित करते हैं। कॉटूर डिजाइनर गौरव गुप्ता ने कहा,मेरे लिए ज्वेलरी शरीर की सजावट भर नहीं है, बल्कि उसकी अंदरूनी बनावट का ही विस्तार है। द डिवाइन एंड्रोजाइन में हर रूप ऊर्जा, यादों और एक शांत शक्ति को अपने भीतर समेटे हुए है। इंद्रिया के साथ काम करना बिल्कुल स्वाभाविक लगा। उनकी विरासत और आभूषणों की भाषा में परंपरा और संतुलन का सही मेल है, जो कलेक्शन को बिना दबाए, उसे खूबसूरती से पूरा करती है। इंद्रिया, आदित्य बिरला ज्वेलरी के मार्केटिंग और विजुअल मर्चेंडाइजिंग के हेड, शांतिस्वरूप पांडा ने कहा, इंद्रिया को अपने डिजाइनों और उनकी कहानियों में भारतीय कला, कारीगरी, वास्तुकला और संस्कृति की बारीकियों को शामिल करने पर गर्व है। गौरव गुप्ता के साथ हमारा यह सहयोग पेरिस कॉटूर वीक के मंच से भारतीय द्वैत की खूबसूरत अवधारणा को दुनिया के सामने एक अनोखे तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश है। अभिषेक रस्तोगी, हेड ऑफ डिजाइन, इंद्रिया ने जोड़ा, गौरव गुप्ता की रचनात्मक दुनिया में डूबे हुए, हमारी फाइन ज्वेलरी, जिसमें हीरे और रत्न प्रमुख हैं और जिन्हें मूर्तिकला जैसे सोने के डिजाइन पूरा करते हैं, को बहुत सोच-समझकर तैयार किया गया है, ताकि वह कलेक्शन के बोल्ड सिलुएट्स और प्रवाही रूपों के साथ सामंजस्य में काम करे। हर पीस कॉटूर को और निखारता है, जहाँ सटीकता, कारीगरी और कलात्मक अभिव्यक्ति एक साथ आती हैं।

स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का मजबूत वित्तीय प्रदर्शन

मुंबई। स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड, जिसका पूर्व नाम स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड था, ने अपने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौ महीने के परिणाम घोषित किए, जो कंपनी की स्ट्रेटेजिक ग्रोथ, फाइनेंसियल ग्रोथ और लांग टर्म वैल्यू क्रिएशन को दशार्ता है। वित्त वर्ष 2026 के नौ महीनों में स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया। इस अवधि में कंपनी की कुल आय 562 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 23.6% की वृद्धि को दशार्ती है। एबिटडा 102 करोड़ रुपये रहा, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष 11.9% की बढ़ोतरी दर्ज की गई और एबिटडा मार्जिन 18.2% रहा। प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) 83 करोड़ रुपये रहा, जो 15.9% की वृद्धि को दशार्ता है, जबकि प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पैट) 62 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 18.8% की बढ़ोतरी हुई और पैट मार्जिन 11.0% दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में कंपनी ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। इस तिमाही के दौरान कुल आय 196 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37.1% अधिक है। एबिटडा 34 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 17.0% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि हुई और एबिटडा मार्जिन 17.1% रहा। प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) 27 करोड़ रुपये रहा, जो 22.7% की वृद्धि को दशार्ता है, जबकि प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पैट) 20 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 28.3% की बढ़ोतरी दर्ज की गई और पैट मार्जिन 10.4% रहा। मैनेजिंग डायरेक्टर नागेश्वर राव कंदुला ने कहा, वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौवीं माही हमारी कंपनी के लिए एक निर्णायक दौर है। हमने सफलतापूर्वक इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म में खुद को परिवर्तित कर लिया है, साथ ही अपने मुख्य ग्लास-लाइनिंग बिजनेस को भी तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। ग्लास-लाइन्ड टेक्नोलॉजीज में नेतृत्व, कंडक्टिविटी ग्लास-लाइन्ड रिएक्टरों जैसे ब्रेकथ्रू इनिवेशंस, शेल-एंड-ट्यूब हीट एक्सचेंजर्स में मजबूत पकड़ और विस्तारित टर्नकी इंजीनियरिंग क्षमताओं के साथ, स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड लॉंगटर्म, सस्टेनेबल मूल्य क्रिएशन के लिए अच्छी स्थिति में है।

अखिल प्रजापति कुम्भकार समाज का भव्य वार्षिक महासम्मेलन सम्पन्न

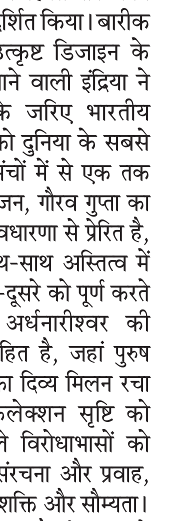

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखिल प्रजापति कुम्भकार समाज का भव्य वार्षिक महासम्मेलन स्वामीनारायण मंदिर हॉल, वसई (पश्चिम), जिला पालघर, मुंबई (महाराष्ट्र) में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार, पंजाब, झारखंड सहित देश के अनेक राज्यों से आए समाजबंधुओं एवं विशिष्ट अतिथियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराज श्री दक्ष प्रजापति, डॉ. रत्नपा कुंभार एवं भगवान श्री गणेश जी की विधिवत पूजा-अर्चना तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों, उत्कृष्ट सामाजिक कार्य करने वाले युवाओं, महिलाओं तथा शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुष्पगुच्छ, शॉल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह एवं तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शिवसेना (शिंदे गुट) के विक्रम प्रताप सिंह सहित देशभर से पचास से अधिक विशिष्ट अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। अतिथियों ने समाज को संबोधित करते हुए सामाजिक एकता, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर संस्था की ओर से समाज की प्रमुख मांगों से संबंधित ज्ञापन मुख्य अतिथियों को सौंपा गया, जिसे स्वीकार करते हुए अतिथियों ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। वक्ताओं ने कहा कि प्रजापति समाज सृष्टि का जन्मदाता होने के साथ-साथ उसके निर्माण और संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मिट्टी के बर्तनों का उपयोग न केवल मानव स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी इसकी अहम भूमिका है। महासम्मेलन को सफल बनाने में डॉ. ए.बी. प्रजापति (संस्थापक एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष), डॉ. रमेश प्रजापति (राष्ट्रीय अध्यक्ष), एडवोकेट राजबहादुर प्रजापति (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), लालचंद प्रजापति (वरिष्ठ सलाहकार, मुंबई) सहित समाज के अनेक समाजसेवियों, उद्योगपतियों एवं व्यवसायियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक सुरेश प्रजापति एवं शिवशंकर प्रजापति ने उत्कृष्ट संचालन कर कार्यक्रम को यादगार बनाया। साथ ही राष्ट्रीय एवं प्रांतीय कार्यकारिणी के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी समाजबंधुओं ने इस भव्य महासम्मेलन की सफलता पर एक-दूसरे को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी संस्थापक सदस्य राकेश कांतिवाल (प्रजापति) पूना, नागेंद्र प्रजापति ,हरेराम प्रजापति, संजय प्रजापति ,अजय प्रजापति, मुनीलाल प्रजापति, अमर प्रजापति ,डॉ संतोष प्रजापति, कार्यकारिणी संरक्षक सदस्य रामकिशन प्रजापति, अखिलेश प्रजापति, बिरजू अकेला, मूम्बई संयोजक रमेश प्रजापति दिवा , रामजनम प्रजापति महेंद्र प्रजापति ,डॉ शशिकलाप्रजापति, सुजीत प्रजापति ,,चन्द्रहास प्रजापति ,सुरेश प्रजापति ,शिवनारायण प्रजापति ,प्रदीप प्रजापति ,हरिश्चंद्र प्रजापति ,विकाशचंद प्रजापति, अनिल प्रजापति, लछिराम प्रजापति, विजयलाल प्रजापति ,शिवप्रसाद प्रजापति ,अशोक प्रजापति ,रविन्द्र प्रजापति, सुरेंद्र प्रजापति ,दुर्गेश प्रजापति ,संदीप प्रजापति, अक्षय प्रजापति, सुभाष प्रजापति के साथ राष्ट्रीय कार्यकारिणी नरेंद्र प्रजापति ,दिलीप प्रजापति ,पंकज प्रजापति, विनोद प्रजापति, दिनेश प्रजापति, नीबूलाल प्रजापति ,राजेन्द्र वर्मा ,दिलीप प्रजापति, रामपदारथ प्रजापति शामिल रहे।